卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 70 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦16 दिसम्बर 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

‘सैन्य धाम’ से पूरे देश में गूंजेगा उत्तराखंड का पराक्रम: धामी

प्रदेश भर में उत्साह के साथ मना विजय दिवस, वीर सपूतों के बलिदान को किया नमन

देहरादून(उद संवाददाता)। भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे स्वर्णिम अध्याय ‘विजय दिवस’ के अवसर पर आज राजधानी देहरादून देशभक्ति के रंग में डूबी नजर आई। गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित भव्य श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 1971 के युद्ध के अमर बलिदानियों को पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा परिसर ‘भारत माता की जय’ और ‘शहीद अमर रहें’ के उद्घोष से गुंजायमान रहा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके त्याग को नमन करते हुए सम्मान प्रकट किया।इस दौरान सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, राजपुर रोड विधायक खजान दास, कैंट विधायक सविता कपूर सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बेहद भावुक और ओजस्वी शब्दों में कहा कि 16 दिसंबर 1971 का दिन केवल एक जीत का दिन नहीं है, बल्कि यह भारतीय सेना के उस अदम्य साहस और पराक्रम का प्रमाण है जिसने विश्व का भूगोल बदल दिया था। उन्होंने गर्व के साथ उल्लेख किया कि 1971 के उस ऐतिहासिक युद्ध में उत्तराखंड के वीर सपूतों ने जो पराक्रम दिखाया, वह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेगा। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि देवभूमि का हर आंगन सैन्य परंपरा से सिंचित है और यहाँ के वीरों की रगों में दौड़ता राष्ट्रप्रेम ही इस राज्य की असली पहचान है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राज्य सरकार के विजन को साझा करते हुए बताया कि देहरादून में आकार ले रहा ‘सैन्य धाम’ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड का पांचवां धाम बनेगा। यह धाम केवल पत्थरों का स्मारक नहीं होगा, बल्कि इसमें प्रदेश के प्रत्येक शहीद के घर के आंगन की पवित्र मिट्टी समाहित है, जो हर आगंतुक को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूर्णत: समर्पित है। सैनिकों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि में वृद्धि से लेकर उनके सम्मान को सुरक्षित रखने तक, सरकार हर मोर्चे पर उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती शक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि आज का भारत एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सेनाएं अब और भी अधिक आधुनिक और मारक क्षमता से लैस हैं। उन्होंने कहा कि 1971 में मिली जीत ने पूरी दुनिया को संदेश दिया था कि भारत अपनी अखंडता से समझौता नहीं करता और आज का सशक्त नेतृत्व इसी संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सैनिकों का सम्मान (शेष पृष्ठ सात पर)

उजाड़े जाने के खिलाफ निकाली आक्रोश रैली

रामनगर(उद संवाददाता)। बीती 7 दिसंबर को ग्राम पूछडी में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन और तराई पश्चिमी वन प्रभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 52 अतिक्रमण तोड़े थे। इस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को पीड़ित परिवारों और विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के लोगों ने व्यापार मंडल कार्यालय से तराई पश्चिमी वन प्रभाग कार्यालय तक आक्रोश रैली निकालकर सरकार और वन विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रैली के बाद वन परिसर में आयोजित जनसभा में वक्ताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री और वन विभाग के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर गरीब परिवारों को बेघर करने के साथ उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि अतिक्रमण हटाने से पहले सरकार पीड़ित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था करे और वन अधिकार कानून 2006 को प्रभावी रूप से लागू करे। सभा में यह भी कहा गया कि कई लोग पीड़ित परिवारों को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं, जिसमें कुछ भाजपा एजेंट भी शामिल हैं। वक्ताओं ने रामनगर विधायक दीवान सिंह बिष्ट और सांसद अनिल बलूनी के खिलाफ भी नाराजगी जताई और कहा कि (शेष पृष्ठ सात पर)

ट्रांसपोर्ट से नशे के इंजेक्शनों का जखीरा बरामद

काशीपुर। पुलिस व एसओजी ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए सेफ एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट से 43950 नशीले इंजेक्शन बरामद किये हैं। नशे का सौदागर अभी फरार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक धारा-8/21/22/60 एनडीपीएस एक्ट व धारा 29 एनडीपीएस एक्ट बनाम रिपुल चौहान पुत्र रक्षपाल सिंह निवासी ग्राम नजीमपुर पो. जलालाबाद, नजीबाबाद हाल पता-वार्ड नं. 13, कविनगर, काशीपुर की पुलिस को सरगर्मी से तलाश थी। इसी क्रम में पुलिस व एसओजी टीम दढ़ियाल रोड से हनुमान नगर को जाने वाले रोड पर पहुंचे तो मुखबिर ने बताया कि जिस रिपुल चौहान की आप तलाश कर रहे हैं, उसका माल सेफ एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट दढ़ियाल रोड, नियर मारिया स्कूल, टाण्डा उज्जैन, काशीपुर में रखा हुआ है, जो नशे के इंजेक्शन हैं, जिन्हें रिपुल चौहान ने अवैध तरीके से बेचने के लिए मंगवाया था, लेकिन उसके साथी दीपक ठाकुर के पकड़े जाने के कारण वह भाग गया और उसका माल वहीं पड़ा है।सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस की टीम सेफ एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट, दढ़ियाल (शेष पृष्ठ सात पर)

‘तुषार’ के परिजनों ने ‘भुवन कापड़ी’ को बताया ‘संवेदनहीन’

मृतक तुषार शर्मा के परिजनों का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल, वायरल वीडियो में मृतक के परिजनों ने स्थानीय विधायक के रवैये को बताया पीड़ा दायक और मुख्यमंत्री की खुले दिल से की सराहना

-अर्श-

खटीमा। बीते सप्ताह खटीमा में हुए जघन्य हत्याकांड में जान गंवाने वाले तुषार के परिजन खटीमा विधायक भुवन कापड़ी की संवेदनहीनता से खासे आहत हैं। मृतक तुषार के परिजनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें तुषार के परिजनो ने स्थानीय विधायक पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में खटीमा हत्याकांड में अपने बेटे को खो चुके पीड़ित परिवार ने जहाँ एक ओर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की खुलकर सराहना की है, वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपने क्षेत्र के विधायक भुवन कापड़ी की भूमिका पर गहरी नाराजगी और पीड़ा व्यक्त की है। पीड़ित परिजनों ने वायरल वीडियो में खटीमा विधायक की संवेदनहीनता पर अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा है कि राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस मुसीबत की घड़ी में फोन करके कम से कम हमें दिलासा देने की कोशिश तो की, हमारे दु:ख के प्रति संवेदनशील तो दिखे,लेकिन हमारे क्षेत्र के विधायक, जिन्हें इस दुख भरी घड़ी में हमारे बीच सबसे पहले पहुंचाना चाहिए था, हमारे बीच आना तो दूर एक फोन करने तक की जहमत नहीं उठा सके। स्थानीय विधायक की संवेदन हीनता से गहरे तक आहत पीड़ित परिवार ने वायरल वीडियो में विधायक के व्यवहार पर यह तक कह डाला , जब वोट लेना होगा तो घर-घर हाथ जोड़ते घूमेंगे, लेकिन किसी के लड़के की हत्या होने पर उनके पास पहुंच संवेदना के दो बोल बोलने तक का समय नहीं है। ऐसे विधायक का क्या फायदा ? बता दें की खटीमा में हुए तुषार हत्याकांड के बाद प्रशासन की कार्यवाही एवं हत्या आरोपियों की तुरंत फुरत गिरफ्तारी पर पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री की खुले दिल से सराहना की है। पीड़ित परिवार का कहना है कि इस असहनीय दुख की घड़ी में मुख्यमंत्री धामी ने संवेदनशीलता, तत्परता और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दिया। उन्होंने न केवल पूरे मामले को गंभीरता से संज्ञान में लिया, बल्कि प्रशासन को सख्त और त्वरित कार्रवाई के निर्देश देकर यह संदेश दिया कि उत्तराखंड में अपराध और अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है।परिवार ने साफ तौर पर कहा है कि हमें पूरा भरोसा है कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में हमें न्याय अवश्य मिलेगा। उन्होंने एक पिता की पीड़ा को समझा है और हमारी करुणा भरी आवाज सुनी है। परिवार ने भावुक होकर आगे कहा कि हमने अपने बेटे को खोया है, हमें राजनीति नहीं, इंसानियत चाहिए थी, लेकिन हमारे विधायक की चुप्पी ने हमारे जख्म और गहरे कर दिए ।गौर तलब है कि जन अपेक्षाओं की कसौटी पर अब यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि जन प्रतिनिधियों की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की की परख का मानक भी बन गया है। एक ओर मुख्यमंत्री धामी का सक्रिय और मानवीय रवैया जनता के विश्वास को मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय विधायक की संवेदनहीनता एवं निष्क्रियता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

डेमोग्राफी चेंज समस्या बन रहे है मुस्लिम वन गुर्जर

हिमाचल सीमा पर कहां से आकर डेरा डाल रहे है मुस्लिम वन गुर्जर ,कभी शाकाहारी थे अब बाघ हाथी के शिकार में है लिप्त

देहरादून। क्या उत्तराखंड के जंगलों में सुनियोजित तरीके से मुस्लिम वन गुर्जरों की घुसपैठ कराई जा रही है ? क्या कभी जंगल के रखवाले माने जाते वन गुर्जरों के समुदाय में मुस्लिम जमीयत सक्रिय हो चुकी है, खबर है कि मुस्लिम वन गुर्जर उत्तराखंड की जंगल की बेशकीमती जमीन को वन विभाग की खामियों की वजह से कब्जाने में लगे है। वन गुर्जर न सिर्फ सरकारी वन भूमि पर अवैध कब्जे का रहे है बल्कि हाथी बाघ तेंदुए जैसे दुर्लभ वन्यजीव प्राणियों का शिकार भी कर रहे है। उत्तराखंड में कभी जंगल के रखवाले कहे जाते वन मुस्लिम गुर्जरों को शाकाहारी रहना उनके संस्कारों में शामिल था परंतु अब उनकी नई पीढ़ी मांस भी खा रही है और गलत धंधों में भी लिप्त हो चुकी है। वन मुस्लिम गुर्जरों के बच्चे युवा अब जमातो में जाकर इस्लामिक कट्टरपंथ की जकड़ में आ चुके है, पहले इस समुदाय में बकरे की कुर्बानी तक नही होती थी जब से इनके यहां जमीयत के मौलानाओं का आना जाना हुआ है और इनके मन ये बात गहरा दी गई है तुम इस्लाम को मानने वाले मुस्लिम हो और तुम्हे यही जीवन जीना है, तब से इनका सामाजिक परिवर्तन सामने आ गया है, जंगलों में इनके बच्चो को इस्लामिक शिक्षा के लिए मदरसे खोले जा रहे है जहां हाफिज मौलाना बाहर से आकर डेरा डाल रहे है और मजहबी कट्टरपंथ की तालीम दे रहे है। हालात ऐसे हो गए है कि वन गुर्जर उत्तराखंड में लैंड जिहाद में शामिल हो चुके है और इसके पीछे जमीयत की योजना काम करती दिखलाई दे रही है। कॉर्बेट और राजा जी टाइगर रिजर्व से वन गुर्जरों को बाहर निकाल कर बसाने के काम में इस समुदाय के साथ हिमाचल, कश्मीर और यूपी के मुस्लिम वन गुर्जरों ने जमात के साथ मिलकर एक योजना के तहत बसावट कर ली है। ऐसा जानकारी में तब आया जब विस्थापन से पूर्व 512 परिवार ही 1998 के सर्वे में आए किंतु जब विस्थापन हुआ तो इनकी संख्या पांच हजार से ज्यादा हो गई और आज भी कई वन गुर्जर सरकारी खामियों का फायदा उठा कर जमीन कब्जाने के दावे करने में लगे है। जबकि 1632 में से 1390 वन गुर्जरों का ही राजा जी से और 224 का कॉर्बेट टाइगर रिजर्व कालागढ़ से विस्थापन किया जाना था। विस्थापन में परिवार की परिभाषा में बालिग , निकाह और शरीयत कानून के चलते इनके द्वारा बड़े पैमाने पर उत्तराखंड के जंगलों से बाहर और अंदर घुसपैठ कर ली गई है। ऐसे भी सबूत मिले है कि इनकी पत्नियों के पति भी बदलते रहे और उनके बच्चे भी और वे वन भूमि से विस्थापन होने का दावा करने लगे। उत्तराखंड में जिस परिवार को विस्थापन होने के लिए एक हैक्टेयर जमीन मिली और करीब साढ़े चार लाख रु की धनराशि मिली उनमें से कई लोग अपना मकान रख शेष जमीन को यूपी हिमाचल कश्मीर के गुर्जरों को दस रु के स्टांप पर बेच कर पहाड़ो की तरफ अपने पशु लेकर चले गए और वहां रिजर्व फॉरेस्ट में भी अपने डेरे डाल कर

बैठ गए अब पहाड़ी जंगलों में भी बाहर के मुस्लिम गुर्जर पहुंचने लगे और वहां भी मदरसे खोल कर बैठ गए। फॉरेस्ट प्रभागों से मिली जानकारी के मुताबिक हजारों हैक्टेयर जमीन इस समय मुस्लिम वन गुर्जरों ने कब्जा ली है और इनकी खुद की संख्या भी पंद्रह हजार से ज्यादा है। इस बात के प्रमाण वन विभाग के पास जीपीएस और सेटलाइट चित्रों से मिले हुए है।तराई सेंट्रल ,तराई वेस्ट में करीब पांच हजार वन भूमि पर कब्जा कर वन मुस्लिम गुर्जर खेती कर रहे है और जंगलात विभाग चुप्पी साधे हुए है। **जीव जंतुओं के शिकार में है लिप्त :** उत्तराखंड का सत्तर प्रतिशत वन क्षेत्र है जिसमे घूमने और पशुओं को चराने का परमिट इन मुस्लिम गुर्जरों को मिलता रहा है। कभी ये जंगल के रखवाले हुआ करते थे किंतु अब ऐसे प्रमाण मिले है कि बाघ की खाल,हड्डियों और हाथी दांत के लिए शिकार में लिप्त है। हरिद्वार में डीएफओ रहे आकाश वर्मा के कार्यकाल में एक मुस्लिम गुर्जर के घर से बाघ की खाल और हड्डियां जमीन में गड़ी हुई मिली थी। इसी तरह तराई के आम पोखरा रेंज में गुलाम रसूल,नाम के मुस्लिम वन गुर्जर के घर से हाथी दांत बरामद हुए और आरोपी ने कबूला था कि उसने हाथी का शिकार करंट लगा कर किया था। एक अन्य वन गुर्जर मोहम्मद कासिम भी हाथी दांत की तस्करी में पकड़ा गया ,ऐसे एक दो नही दर्जनों मामले है जिनमे मुस्लिम गुर्जर वन्य जीव जंतुओं के शिकार ,वन संपदा के दोहन जैसे इमारती लकड़ी, खनन और दुर्लभ जड़ी बूटियों की तस्करी में लिप्त रहे है। उल्लेखनीय है वन मुस्लिम गुर्जर अभी वन्यजीवो का शिकार कर उन्हे अंतरराष्ट्रीय वन्य जीव तस्करों तक पहुंचाने के रास्ते जानते है। बहुत से मुस्लिम गुर्जर अब तेज धारदार हथियारऔर गैर कानूनी शस्त्र भी रख रहे है जिन्हे वन विभाग के खिलाफ वे इस्तेमाल करते है। **तिब्बत चीन सीमा तक पहुंच रहे है :** उत्तराखंड की अंतर्राष्ट्रीय सीमा तिब्बत चीन सीमा तक मुस्लिम वन गुर्जर अपने पशु लेकर पहुंच रहे है।कुछ साल पहले वन के अधिकारियों ने उन्हे गोविंद पशु विहार में जाने पर रोक लगा दी थी, वन अधिकारियों का कहना था कि हम यहां स्नो लेपर्ड, मोनाल, ब्रह्मकमल,भालू, कस्तूरी मृग के साथ साथ देश की सीमा को संरक्षित और सुरक्षा देना चाहते और ये गुर्जर इसके लिए बाधक बन रहे है।बताया जाता है कि कुछ एनजीओ और राजनेताओं के दबाव में ये आना जाना पुन: शुरू हो गया है। **जनजाति क्षेत्र में वोटर बन गए मुस्लिम :** हिमाचल से लगी टोंस और यमुना घाटी के जंगलों में वन गुर्जरों की घुसपैठ से स्थानीय लोग भी चिंतित है।यहां रुद्र सेना के द्वारा लगातार वन विभाग को चेताया जा रहा है कि जंगलों में ये लोग अवैध बस्तियां बसा रहे है। रुद्र सेना के संयोजक राकेश तोमर उत्तराखंडी बताते है कि एक एनजीओ और राजनेताओं के संरक्षण में वन गुर्जरों के नाम वोटरलिस्ट में दर्ज हो गए है उनके बच्चे सरकारी नौकरियों में जनजाति आरक्षण की मांग करने लगे है ये षडयंत्र है जो अभी किसी को समझ नहीं आ रहा है हम जनजागरण अभियान शुरू कर चुके है। श्री उत्तराखंडी बताते है कि ये उत्तराखंड के जनजाति क्षेत्र में डेमोग्राफी चेंज कराने की जुगत में है जिस के पीछे यूपी हिमाचल कश्मीर के मुस्लिम संस्थाएं काम कर रही है। **क्या कहते है नोडल अधिकारी डा पराग मधुकर धकाते :** वन विभाग में चीफ कंजर्वेटर और अतिक्रमण हटाओ अभियान के नोडल अधिकारी डा. पराग मधुकर धकाते का कहना है सभी वन प्रभागों से वन गुर्जरों की रिपोर्ट आ गई है, अवैध और वैध कब्जेदारो का सत्यापन का काम पूरा हो रहा है किसी भी परिवार के पास एक हैक्टेयर से ज्यादा जमीन मिली अथवा उसके द्वारा जमीन खरीदी अथवा बेचने का काम किया गया तो उसके खिलाफ वन अधिनियम के तहत कानूनी कारवाई की जाएगी।

केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को दी 249.56 करोड़ की दूसरी किस्त

देहरादून (उद संवाददाता)।केंद्र सरकार ने उत्तराखंड राज्य को विशेष पूंजी निवेश सहायता योजना 2025-26 के अंतर्गत 249.56 करोड़ की दूसरी किस्त जारी कर दी है। यह राशि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा राज्य सरकार को प्रदान की गई है। इस सहायता से राज्य में विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को और अधिक गति मिलने की उम्मीद है।इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वित्तीय सहायता उत्तराखंड के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, जनोपयोगी विकास कार्यों को आगे बढ़ाने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यह सहयोग राज्य के आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार केंद्र और राज्य के समन्वय से प्रदेश के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राप्त धनराशि का उपयोग पूंजीगत परियोजनाओं, जैसे सड़क, पुल, शहरी एवं ग्रामीण अधोसंरचना, पेयजल, ऊर्जा और अन्य विकास कार्यों में पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध तरीके से किया जाएगा, ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके।मुख्यमंत्री श्री धामी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सभी परियोजनाएं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण हों और उनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के माध्यम से न केवल प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड को कुल 847.49 करोड़ की सहायता ऋण स्वरूप प्रदान की जा चुकी है। इस वित्तीय सहयोग से राज्य में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं को नई गति मिली है, जिससे उत्तराखंड के संतुलित, समावेशी और सतत विकास को मजबूती मिलेगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्ति पर मिलेंगे एक लाख रूपये : रेखा आर्य

एकल महिला स्वरोजगार योजना के 504 प्रस्तावों को स्वीकृति

देहरादून। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नए वित्तीय वर्ष से सेवानिवृत्ति पर न्यूनतम एक लाख रुपये की सहायता राशि मिलेगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संगठनों के साथ इस पर सहमति बनने के बाद विभागीय मंत्री रेखा आर्या ने इसके निर्देश जारी कर दिए हैं। सचिवालय स्थित एचआरडीसी सभागार में आयोजित बैठक में महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री ने कहा, वर्तमान में सेवानिवृत्ति पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 35 से 40 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसे बढ़ाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से तीन सौ रुपये प्रतिमाह योगदान की आवश्यकता थी, इसलिए उनकी सहमति लेना भी आवश्यक था। अगले साल एक अप्रैल से जो भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सेवानिवृत्त होंगे, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। मंत्री ने बताया कि एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत अब तक छह जिलों से 504 प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा चुकी है। अन्य जिलों के आवेदनों पर अभी प्रक्रिया चल रही है। उन्होनें बताया कि स्वीकृत 504 आवेदकों को धनराशि जारी करने के लिए जनवरी पहले सप्ताह में कार्यक्रम होगा। बैठक में नंदा गौरा योजना की भी समीक्षा

की गई। मंत्री ने कहा, इस साल इस योजना के तहत अब तक 45 हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है।आवेदन की तारीख 20 दिसंबर तक है, इसलिए अभी आवेदन की संख्या और बढ़ सकती है। उन्होंने बैठक में 15 जनवरी के आसपास पात्र अभ्यर्थियों को पैसा जारी करने के निर्देश दिए। वहीं,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की पदोन्नति पर उन्होंने कहा कि 88 पदों के लिए एक सप्ताह के भीतर विज्ञप्ति जारी कर दी जाएगी।वहीं, वृद्ध महिलाओं की सहायता के लिए एक योजना अगले साल शुरू की जानी है। इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस योजना के लिए आठ करोड रुपये का फंड उपलब्ध है। बैठक में विभागीय सचिव चंद्रेश कुमार यादव, निदेशक बंसीलाल राणा, उपनिदेशक विक्रम सिंह, नीतू फुलेरा आदि उपस्थित रहे।

वन्यजीव संघर्ष राहत वितरण के लिए 15 करोड़ रुपये मंजूर

देहरादून। आपदा प्रबंधन विभाग ने वन्यजीव संघर्ष राहत वितरण के लिए 15 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी है। अब वन विभाग मानव मृत्यु, फसल क्षति के लंबित प्रकरणों का भुगतान कर सकेगा। वन विभाग वन्यजीवों के हमले में मानव मृत्यु, घायल, फसल क्षति, पशु क्षति और भवनों के नुकसान के मामले में मुआवजा देता है। विभाग के पास करीब 18 करोड़ मुआवजे के प्रकरण पहुंचे हैं, लेकिन राशि नहीं होने के कारण भुगतान नहीं हो सका था। इसके लिए वन विभाग ने आपदा प्रबंधन विभाग को आपदा मोचन निधि से राशि देने का अनुरोध किया था। आपदा प्रबंधन विभाग ने वन्यजीव संघर्ष राहत वितरण के लिए 15 करोड़ स्वीकृत किए हैं। इस संबंध में आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया है। मुआवजे में सबसे अधिक मामले फसल क्षति के लंबित हैं। इसमें हाथी समेत अन्य वन्यजीवों ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है, उसके लिए करीब 13 करोड़ का मुआवजा दिया जाना है। इसके अलावा पशु और भवन क्षति के मामले भी लंबित हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मानव मृत्यु के पांच प्रकरणों में अनुग्रह राशि दी जानी है। अब आपदा प्रबंधन विभाग से राशि मिलने से लंबित प्रकरणों में मुआवजा जारी हो सकेगा।

किच्छा चीनी मिल ने छह दिसंबर तक का गन्ना मूल्य भुगतान कर किसानों को दी बड़ी राहत

किच्छा(उद संवाददाता)। किच्छा चीनी मिल ने किसानों को गन्ना मूल्य का त्वरित भुगतान करते हुए 6 दिसंबर 2025 तक खरीदे गए गन्ने का भुगतान पूरा कर दिया है। मिल के अधिशासी निदेशक ए. पी. बाजपेयी ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री और गन्ना मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में किसानों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया गया।उन्होंने जानकारी दी कि 30 नवंबर 2025 से 6 दिसंबर 2025 तक खरीदे गए गन्ने के मूल्य के रूप में कुल 9 करोड़ 59 लाख 5 हजार 5 रुपये का भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से संबंधित गन्ना समितियों को किया गया। इसमें सहकारी गन्ना विकास समिति किच्छा को 7 करोड़ 29 लाख 25 हजार 257 रुपये, रुद्रपुर को 1 करोड़ 8 लाख 23 हजार 978 रुपये, पंतनगर को 51 लाख 59 हजार 421 रुपये और सितारगंज को 69 लाख 91 हजार 349 रुपये का भुगतान शामिल है।अधिशासी निदेशक ने बताया कि इस प्रकार पेराई सत्र के प्रारंभ दिनांक 16 नवंबर 2025 से 6 दिसंबर 2025 तक खरीदे गए गन्ने का कुल 24.21 करोड़ रुपये का भुगतान गन्ना समितियों के माध्यम से किसानों को किया जा चुका है, जिससे क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों को बड़ी राहत मिली है।इसके अतिरिक्त, चीनी मिल द्वारा अब तक कुल 8.80 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की जा चुकी है, जिसमें 9.30 प्रतिशत टीआरएस प्राप्त करते हुए कुल 79,280 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया गया है। मिल प्रबंधन के अनुसार पेराई कार्य सुचारु रूप से जारी है और उत्पादन में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।ए. पी. बाजपेयी ने किसानों से अपील की कि वे जड़ अगौला, पत्ती रहित, ताजा और साफ-सुथरा गन्ना ही आपूर्ति करें, ताकि चीनी की परता और गुणवत्ता बेहतर बनी रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि गन्ना समिति से पर्ची का एसएमएस प्राप्त होने के बाद ही खेत में गन्ने की छिलाई कराएं, जिससे मिल को समय पर ताजा गन्ना प्राप्त हो सके।

बहुगुणा का नकटपुरा गांव में किया स्वागत

सितारगंज(उद संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का नकटपुरा गांव में भव्य स्वागत किया गया। यहां ग्रामीणों ने उनके की तरफ से कराएं गए क्षेत्रीय विकास कार्यों का आभार जताया। कैबिनेट मंत्री ने ग्रामीणों की अन्य जनहित की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दिया। मंगलवार को नकटपुरा गांव में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां हुई सभा में कैबिनेट मंत्री सौरव बहुगुणा ने कहा की उन्होंने सभी वर्गों का निरन्तर विकास किया है। कुछ लोग चुनावी समय में दिखाई देते हैं। जिन्हें जनता सबक सिखाएगी। हज कमेटी अध्यक्ष खतीब अहमद ने कहा कि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बिना किसी भेदभाव के हर समाज में विकास कार्यों के अलावा

सुख, दुख में भूमिका निभाई हैं। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद गंगवार, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, जिला पंचायत सदस्य सूरज नारायण, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रवि रस्तोगी, ग्राम प्रधान परमजीत सिंह फौजी, प्रधान रेशम, प्रधान बाबुद्दीन खान, सरदार निर्मल सिंह, स्वर्ण सिंह अमर सिंह, तसलीम, दुख्तर खान आदि मौजूद थे।

विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की हीलाहवाली बर्दास्त नहीं : डीएम

आवंटित धनराशि को फरवरी माह तक शत प्रतिशत व्यय करना सुनिश्चित करें

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार भीमताल में जिला, राज्य केन्द्र, एवं बाह्य सहायतित योजनाओं व 20 सूत्री कार्यक्रम की मासिक बैठक लेते हुए विकास कार्यों की गहनता से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान विभिन्न विभागों जिनके द्वारा वर्तमान तक कम धनराशि व्यय की गई है और धीमी प्रगति है उन विभागीय अधिकारियों का स्पष्टीकरण लेते हुए 15 दिन के भीतर बेहतर प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों को जिला योजना, राज्य योजना, केंद्र पोषित तथा बाह्य सहायतित योजनाओं में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त धनराशि से कराए जा रहे विकास कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की भी विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान जिला योजनांतर्गत उद्योग विभाग, लोक निर्माण विभाग, लघु सिंचाई, समाज कल्याण एवं चिकित्सा विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष कम धनराशि व्यय किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन विभागों के अधिकारियों का स्पष्टीकरण लेते हुए अगले सप्ताह तक प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार राज्य योजनांतर्गत विधायक निधि में कम धनराशि व्यय होने के संबंध में जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि वह जनपद के सभी माननीय विधायकों से शीघ्र प्रस्ताव प्राप्त करने हेतु अर्ध शासकीय पत्र प्रेषित करें तथा व्यक्तिगत रूप से भी उनसे संपर्क कर प्रस्ताव लेना सूचित करें। इसी प्रकार राज्य योजना अंतर्गत जल संस्थान,समाज कल्याण अनुसूचित जाति कल्याण, पर्यटन प्राथमिक शिक्षा, जिला पंचायत की धीमी प्रगति पर भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की हीलाहवाली बर्दास्त नहीं की जाएगा। जो अधिकारी गंभीरता पूर्वक एवं जिम्मेदारी से कार्य नहीं करेंगे उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिले में 20 सूत्री कार्यक्रम की प्रगति की भी मदवार समीक्षा की गई। 20 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत 42 मदों में जिनमें वर्तमान में । श्रेणी में 26, ठ श्रेणी में 12 और क श्रेणी में डी श्रेणी प्राप्त वाले विभागों जिसमें जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना बायोगैस संयन्त्र हैं से संबंधित विभागों पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी विभागों को प्रत्येक दशा में ए श्रेणी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी

में 4 विभाग शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ठ एवं क श्रेणी में जो विभाग हैं वह लक्ष्य पूर्ति कर । श्रेणी में लाने के लिए ठोस कदम उठाएं। उन्होंने 20 सूत्री कार्यक्रम में वर्तमान में 4 मदों ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी व लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। अधिकारियों के जो दाईत्व हैं उनका शत प्रतिशत अनुपालन करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि जिला योजना अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्राप्त धनराशि को प्रत्येक दशा में फरवरी मांह तक शतप्रतिशत व्यय करना सुनिश्चित करें, मार्च माह के इंतजार में न रहें। निर्माण कार्य जहॉ भी हो रहे हों कार्य प्रारंभ होने से पूर्व जीपीएस फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के साथ ही कार्य पूर्ण होने के बाद की फोटोग्राफ उपलब्ध कराएंगे। जिलाधिकारी ने सभी निर्माण कार्यों का थर्ड पार्टी सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य गुणवत्तापूर्ण व समयबद्धता से हों इस हेतु अधिकारी स्वयं समय समय पर मौके पर जाकर कार्यों का निरीक्षण करें। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी मुकेश नेगी ने वर्तमान तक की प्रगति की योजनावार जानकारी दी। उन्होंने अवगत कराया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिला योजना अंतर्गत जिले को 7020.50 लाख (सत्तर करोड़ बीस लाख पचास हजार) की धनराशि शासन से प्राप्त हुई थी जिसके सापेक्ष वर्तमान तक 4744.35 लाख कुल 68 प्रतिशत धनराशि व्यय कर ली गई है। इसी प्रकार राज्य योजना में 72 प्रतिशत, केन्द्र पोषित में 93 प्रतिशत व बाह्य सहायतित में शत प्रतिशत धनराशि व्यय हो गई है। बैठक में जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, एपीडी चंदा फर्त्याल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी मुकेश नेगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेल महाकुंभ को लेकर बनाई रूपरेखा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। खेल महाकुम्भ-2025 के अन्तर्गत 20 दिसम्बर से जनपद में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। खेलों के सफलता पूर्वक आयोजन कराने हेतु मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि न्याय पंचायत, विधानसभा स्तर व संसदीय क्षेत्र स्तर के सभी संयोजक खेल समितियों के साथ शीघ्र बैठक कर खेल मैदान चिन्हित करते हुए तिथिवार रोस्टर बनाकर सभी खेल मैदानों में सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाये। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि वे तिथिवार खेल मैदानों में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करायेगें।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी स्तर पर गठित खेल समितियों को निधर्रित समयानुसार खेलों का आयोजन कराने के निर्देश दिये। उन्होने कहा सभी स्तरों पर खेल प्रतियोगिता के शुभारम्भ दिसव व दिवसों पर जनप्रतिनिधियों का अवश्य आर्मत्रित किया जाये। उन्होने खेल महाकुम्भ का क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारियों को पोस्टर, वैनर व सोशल मीडिया के माध्यमों से प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिये ताकि अधिक से अधिक बच्चें विभिन्न आयु वर्ग के खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकें। उन्होने सम्बन्धितो को पूर्ण व्यवस्थाओं के साथ ही पर्याप्त तकनीकि स्टाफ, निर्णायको की तैनाती करने के साथ ही पारदर्शिता से निष्पक्ष खेल प्रतियोगिताएं कराने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि बच्चों के लिए विभिन्न स्तर पर जलपान, अल्पाहार की व्यवस्था की जायेगी तथा जनपद स्तर पर खिलाड़ियों के लिए शुद्ध व ताजा भोजन, पानी की व्यवस्था कराने के निर्देश जिला युवा कल्याण अधिकारी को दिये। उन्होने अधिक से अधिक बच्चों का पंजीकरण कराकर प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कराने के निर्देश दिये।जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत ने बताया कि युवा कल्याण एवं प्रा.र.दल विभाग द्वारा खेल, शिक्षा विभाग के सहयोग से खेल महाकुम्भ 2025 का आयोजन किया जा रहा है इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में खेलों का वातावरण सृजित करने, युवाओ एवं दिव्यांगों को खेलों के प्रति आकर्षण पैदा करने, राज्य में खेलों का माहौल तैयार करने, प्रतिभा खिलाड़ियों को चिन्हित करने, राज्य के युवाओं को प्ले ग्राउंड संस्कृति की ओर आकर्षित करने के साथ ही न्याय पंचायत, विधानसभा, सांसद क्षेत्र एवं राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चौम्पियनशिप की प्रतियोगिता के दौरान अधिक से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन करना खेल महाकुम्भ का उद्देश्य है।जिला युवा कल्याण अधिकारी बताया कि खेल महाकुम्भ में उत्तराखण्ड राज्य का स्थाई निवासी खिलाड़ी द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। उन्होने बताया कि खेल महाकुम्भ में तीनों स्तरो स्तरो पर अंडर-14 में 11 से 14 वर्ष व अंडर-19 में 15 से 19 आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग करेगें जबकि दिव्यांग वर्ग ओपन प्रतियोगिता आयोजित होगी। उन्होने ने बताया कि खेल महाकुम्भ में न्याय पंचायत स्तर पर 04 खेल कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो, मुर्गा झपट व विधानसभा क्षेत्र विधायक चौम्पियनशिप ट्रॉफी में 06 खेल आयोजित होगें जिसमे कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो, मुर्गा झपट, बॉलीवाल, पिट्ठू, प्रतियोगिता आयोजित होगें तथा संसदीय क्षेत्र सांसद चैम्पियनशिप ट्रॉफी में 11 खेल कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो, मुर्गा झपट, बॉलीवाल, पिट्ठू, मलखम्ब, रस्सा कसी, कंचा, फुटवाल, बैडमिंटन प्रतियोगिताए आयोजित होगें। उन्होने कहा कि विजेताओं को मेडल, प्रमाण पत्र के साथ ही नकद पुरस्कार डीबीटी के माध्यम से दिया जायेगा। उन्होने बताया कि खिलाड़ियों का पंजीकरण ऑफ लाईन के साथ ही ऑन लाईन के माध्यम से किया जा रहा है। बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, जिला क्रीडा अधिकारी जानकी कार्की, खेल समन्वयक सहित सभी खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, निकाय अधिकारी, आदि उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर को लेकर वार्डवासियों ने रखी शर्तें

गदरपुर(उद संवाददाता)। नगर के वार्ड नंबर 9 (पंजाबी कॉलोनी) में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने पहुंचे अदानी ग्रुप के विभागीय कर्मचारियों से वार्डवासियों ने अपनी सहमति और शर्तों के साथ बातचीत की। वार्डवासियों ने स्पष्ट किया कि वे स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन मीटर लगाने से पहले उन्हें पूरी जानकारी दी जाए कि "कौन-कौन सी शर्तें और नियम" मीटर लगाने के दौरान लागू होंगे। सभी नियमों और शर्तों की स्पष्ट जानकारी मिलने के बाद ही वे अपने घरों में स्मार्ट मीटर लगवाने के लिए तैयार हैं।वार्डवासियों ने यह भी कहा कि मीटर लगाने का काम वार्ड नंबर 1 से क्रमबद्ध रूप से शुरू किया जाए और सभी वार्डों में समान रूप से मीटर लगाए जाएं। साथ ही उन्होंने यह मांग रखी कि मीटर लगाने के दौरान संबंधित वार्ड के सभासद की मौजूदगी अनिवार्य हो, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। इस मौके पर वार्डवासियों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखते हुए कहा कि पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाए तो सभी लोग सहयोग करेंगे। वहीं अदानी ग्रुप के सुपरवाइजर रमेश कुमार, कोमल और अन्य कर्मचारियों ने वार्डवासियों की बातें ध्यानपूर्वक सुनी और इसे उच्चाधिकारियों तक अवगत कराने का आश्वासन दिया।

पत्रकार प्रेस परिषद की बैठक में पत्रकार हितों पर मंथन

21-22 जनवरी को नई दिल्ली में होगा दो दिवसीय महाधिवेशन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे मुख्य अतिथि

काशीपुर। पशुपति गेस्ट हाउस में पत्रकार प्रेस परिषद भारत की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों के हितों, उनकी सुरक्षा और संगठनात्मक मजबूती को लेकर गंभीर एवं विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। बैठक में पत्रकार एकजुटता, अधिकारों की रक्षा और भविष्य की रणनीति को लेकर स्पष्ट संकल्प देखने को मिला। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार प्रेस परिषद भारत के उत्तराखंड अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव अशोक गुलाटी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके आगमन पर स्थानीय पत्रकारों ने माल्यार्पण कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अशोक गुलाटी ने काशीपुर, जसपुर एवं ठाकुरद्वारा क्षेत्र के सदस्यों को परिचय पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों से जुड़े करीब एक दर्जन से अधिक पत्रकारों ने पत्रकार प्रेस परिषद भारत की सदस्यता ग्रहण की। अपने संबोधन में राष्ट्रीय सचिव अशोक गुलाटी ने जानकारी दी कि पत्रकार प्रेस परिषद भारत का दो दिवसीय महाधिवेशन 21 एवं 22 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय महाधिवेशन में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अली, साध -संत, समाजसेवी एवं देशभर से लगभग एक हजार पत्रकार भाग लेंगे। महाधिवेशन के दौरान पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की जाएगी। अशोक गुलाटी ने कहा कि पत्रकार प्रेस परिषद भारत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में तेजी से मजबूत हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि देशभर में पत्रकारों के चार पहिया वाहनों को टोल टैक्स से मुक्त कराने की प्रक्रिया चल रही है, जिसकी औपचारिक घोषणा जनवरी माह में किए जाने की संभावना है। उन्होनें कहा कि संगठन पत्रकारों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रहा है। संबोधन में अशोक गुलाटी ने बताया कि वर्तमान में पत्रकार प्रेस परिषद भारत देश के 18 राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है और संगठन का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने पत्रकारों को यह भी जानकारी दी कि संस्था द्वारा पत्रकार साथियों के लिए बीमा योजना प्रारंभ की गई है, जो आपात परिस्थितियों में एक मजबूत सहारा बनेगी। उन्होंने कहा हम और हमारे पत्रकार भाई अलग नहीं हैं। इसी कारण संस्था से जुड़े पदाधिकारी 'मैं' नहीं, बल्कि 'हम' शब्द का प्रयोग करते हैं। सभी के स्नेह और विश्वास से ही यह संगठन निरंतर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार प्रेस परिषद काशीपुर के अध्यक्ष अजय कुमार सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को परिचय पत्र एवं आई-कार्ड वितरित किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। बैठक में काशीपुर अध्यक्ष अजय कुमार सक्सेना, ठाकुरद्वारा अध्यक्ष देश रतन सिंह, जसपुर अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव, जसपुर महासचिव शरीफ खान, काशीपुर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पैट्रिक चरण बाबा, उपाध्यक्ष महबूब अली, ठाकुरद्वारा उपाध्यक्ष सफदर अली, जसपुर महासचिव एस.पी. सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक शर्मा, काशीपुर महासचिव पुनीत कुमार शर्मा, सचिव बकुल डोनाल्ड, ठाकुरद्वारा महासचिव हरी चंद्र शर्मा, जसपुर उपाध्यक्ष मिंटू सिंह, काशीपुर वरिष्ठ सचिव प्रेम प्रकाश साहनी, सदस्य जगदीश प्रकाश, किशन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

राज्य सरकार कुंभ मेला के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए ठोस कार्य कर रही : धामी

सीएम ने दक्षेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना, सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी मंदिर कें भी किए दर्शन

हरिद्वार(उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कनखल-हरिद्वार में दक्षेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करने के साथ ही सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी मंदिर के भी दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने दक्षेश्वर महादेव मंदिर में दुग्धाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेश की प्रगति एवं खुशहाली के साथ ही आगामी कुंभ मेले को दिव्य, भव्य ढंग से आयोजित करने की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न अखाड़ों के पदाधिकारियों एवं साधु-संतो से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वर्ष 2027 में हरिद्वार में कुंभ मेला का आयोजन प्रदेश के लिए बहुत बड़ा सुअवसर है। देश व दुनिया में कुंभ मेला एवं कुंभ नगरी हरिद्वार का अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान है। राज्य सरकार कुंभ मेला के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए ठोस कार्य कर रही है। कुंभ मेला क्षेत्र को विस्तार देने तथा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगमता और सुरक्षा को लेकर प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। ताकि देश-दुनिया से आने वाले लोग यहां से बेहतर अनुभव लेकर लौट सकें। मुख्यमंत्री ने साधु-संतों से प्रदेश सरकार को मिल रहे आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त करते हुए आगामी कुंभ मेले को सफलतापूर्वक आयोजित करने हेतु सांधु-संतों और स्थानीय लोगों से निरंतर समर्थन व सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया।इस अवसर पर श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी ने संस्कृति के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्य एवं भव्य कुंभ आयोजन के लिए संत समाज द्वारा राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग दिया जाएगा।इस अवसर पर अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत राजेंद्र दास, दिगंबर अखाड़े के वैष्णो दास, निर्वाणी अखाड़े के श्रीमहंत मुरलीदास, निर्मल अखाड़े के कोठारी जसविंदर सिंह, बड़ा उदासीन अखाड़े के राघवेंद्र दास, नया अखाड़े से जगतार मुनि, अटल अखाड़े के सत्य गिरी, मनोज गिरी सहित अनेक साधु-संत मौजूद रहे।इसके पश्चात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कनखल स्थित सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की।इस दौरान विधायक हरिद्वार मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानंद, संजय गुप्ता, संजय गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, दायित्वधारी सुनील सैनी, ओमप्रकाश जमदग्नि, जयपाल सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, आशु चौधरी, आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पंतनगर स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन

पंतनगर। स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में स्टीवेंसन स्टेडियम, पंतनगर में क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय डा. आर. एस. जादौन रहे। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए. एस. जीना, अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय डा. आर. सी. श्रीवास्तव, अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी महाविद्यालय डा. एस.एस. गुप्ता एवं अधिष्ठाता स्नातकोत्तर महाविद्यालय डा. लोकेष वार्ष्णेय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डा. आर. एस. जादौन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं टॉस कराकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियाँ अनुशासन, टीम भावना एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देती हैं। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर पहला मैच फसल अनुसंधान केन्द्र एवं पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय टीम के मध्य खेला गया, जो अत्यंत रोमांचक रहा। मैच देखने के लिए खेल प्रेमियों की अच्छी उपस्थिति रही। आयोजकों के अनुसार यह प्रतियोगिता आगामी दिनों तक चलेगी। कार्यक्रम में स्टेडियम प्रभारी अधिकारी डा. जी.एस. बोहरा, एसोसिएट डायरेक्टर डा. पूनम त्यागी, पंतनगर स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब के सचिव अशोक कुशवाहा, कोषाध्यक्ष प्रभाकर जोशी, वेटनरी कॉलेज के श्री के. पी. सिंह, क्लब के पूर्व सचिव योगेश पंत, क्रिकेट संयोजक नीरज कुमार, मुख्य संयोजक शशांक शर्मा, नंदन सिंह भंडारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उत्तराखंड की पैरा खिलाड़ी पुष्पा देवी ने साउथ एशियन पैरा थ्रो बॉल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के दिव्यांग खिलाड़ी पुष्पा देवी ने श्रीलंका में आयोजित दक्षिण एशियाई पैरा थ्रो बॉल चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। महिला वर्ग में स्वर्ण जीतकर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। उत्तराखंड पैरा थ्रो बॉल टीम के अध्यक्ष त्सेरिंग चोइक्ये ने बताया कि पुष्पा देवी ने महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। इन खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है और उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। पुष्पा देवी ने उन सभी साथियों का धन्यवाद किया जिन्होने उनकी आर्थिक मदद की जिससे वह इस प्रतियोगिता में शामिल हो पाई और भविष्य में आशा करती है कि वो उसकी मदद करते रहेंगे। इस चौंपियनशिप का आयोजन वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन, एशियन पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन और श्रीलंका पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन के नेतृत्व में किया गया था। इस आयोजन को और भी प्रतिष्ठित बनाने के लिए, कई विशिष्ट अतिथियों ने उद्घाटन और समापन समारोह में भाग लिया, जिनमें माननीय गवर्नर ऑफ सबरगामुवा, श्रीमती चंपा जानकी राजरत्न, चेयरमैन, श्रीलंका पैरालंपिक कमेटी, ब्रिगेडियर दनंजय अलुदेनिया, डायरेक्टर जनरल ऑफ स्पोर्ट्स, वी. प्रेमचंद्रन, अध्यक्ष, श्रीलंका पैरालंपिक कमेटी, दीपल हेराथ, प्रायोजक, श्री प्रियांथा गुणाथिलका, और चेयरमैन, ललिथ लियानागे, अल्बर्ट सर प्रेसिडेंट पैरा थ्रो बॉल श्रीलंका थ्रोबॉल फेडरेशन, रुमोल्ड फर्नांडो, अध्यक्ष, वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन, श्रीमती निर्मला रावत, चेयरमैन, केडीयू ग्रुप, समन उपसेना, प्रायोजक, चमिंडा प्रदीप विक्रमनायका, डिप्टी अध्यक्ष, श्रीलंका पैरालंपिक कमेटी, दीपल हेराथ, प्रायोजक, श्री प्रियांथा गुणाथिलका, और चेयरमैन, ललिथ लियानागे, अल्बर्ट सर प्रेसिडेंट पैरा थ्रो बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया शामिल थे। महिला वर्ग में, भारत ने नेपाल को 2-0 से हराकर चैंपियनशिप की शुरुआत की। श्रीलंका ने मालदीव को 2-1 से हराया। फाइनल में, भारत ने श्रीलंका को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इन खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर उत्तराखंड पैरा थ्रो बॉल टीम की ओर से बधाई दी जाती है और आगे भी इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है।

कुलपति डा. चौहान ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

पंतनगर। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान ने उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से राजभवन में शिश्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक प्रगति से संबंधित महत्वपूर्ण विशयों पर विस्तार से चर्चा हुई। माननीय राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय द्वारा अब तक किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक कार्यों एवं अनुसंधान गतिविधियों की सराहना की तथा इसे राज्य और राष्ट्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। भेंट के दौरान माननीय राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को सात प्रमुख प्राथमिक क्षेत्रों-उन्नत गुणवत्ता बीज उत्पादन, शहद उत्पादन, मोटे अनाज (मिलेट्स), सेमीकंडक्टर, बागवानी फसलें जैसे ड्रैगन फ्रूट एवं कीवी, ड्रोन तकनीक तथा सुगंधित (एरोमा) फसलों-में अनुसंधान एवं नवाचार को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन सभी क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को विशेष रूप से केंद्र में रखने पर बल दिया। कुलपति ने माननीय राज्यपाल को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय उनके मार्गदर्शन में इन प्राथमिक क्षेत्रों में ठोस कार्ययोजना बनाकर अनुसंधान, नवाचार और विस्तार गतिविधियों को नई दिशा देगा।

विजय दिवस पर सीएम ने दी शुभकामनाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों, भूतपूर्व सैनिकों एवं प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होने कहा कि भारत के सैन्य इतिहास में 16 दिसम्बर भारतीय सशस्त्र सेनाओं के साहस, समर्पण और बलिदान को याद करने का ऐतिहासिक दिन है। इस दिन भारतीय सैनिकों के अद्वितीय शौर्य व अद्भुत पराक्रम के सामने नतमस्तक होकर पाकिस्तानी सेना के हजारों सैनिकों को आत्मसमर्पण करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए हमारे वीर सैनिक हमेशा तत्परता के साथ अपना योगदान देते है जिस पर हमें गर्व है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड, देवभूमि के साथ ही वीर भूमि भी है। यहां सदैव देशभक्ति व राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना रही है। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए हमारे वीर सैनिक हमेशा तत्परता के साथ अपना योगदान देते हैं। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने सैनिकों की वीरता पर गर्व है और पूरा देश उनकी बहादुरी को नमन करता है।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता

डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाईटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरूद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 शनिवार अवकाश

निर्माणाधीन श्री रामदूत बालाजी मंदिर परिसर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।श्री रामदूत बालाजी कृपा ट्रस्ट के तत्वावधान में कृष्णा ग्रीन, गंगापुर रोड, रुद्रपुर स्थित निर्माणाधीन श्री रामदूत बालाजी मंदिर परिसर में निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस जनकल्याणकारी शिविर का प्रायोजन शिवा आयुर्वेदिक हर्बल स्टोर, रुद्रपुर द्वारा किया गया, जिससे क्षेत्र के निर्धन, असहाय एवं बुजुर्ग नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान सैकड़ों लोगों ने अनुभवी वैद्य चिकित्सकों से स्वास्थ्य परीक्षण कराकर निशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां प्राप्त कीं। रोगों की जांच के साथ-साथ आवश्यक परामर्श भी दिया गया, जिससे लाभार्थियों में विशेष संतोष देखने को मिला। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री बालाजी सेवक केशव दत्त शर्मा ने कहा कि ट्रस्ट का मूल उद्देश्य "निस्वार्थ सेवा संकल्प" के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी रुद्रपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में ऐसे निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा। स्वास्थ्य शिविर के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया तथा संध्या समय श्री बालाजी भजन संध्या का भी भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पूरे आयोजन के दौरान सेवा, भक्ति और सामाजिक समर्पण का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के सदस्यों प्रमोद कुमार, कुबेर सिंह, जीत बर्मन, संदीप शर्मा, शांति स्वरूप, राजवीर, राम मोहन, संजीव शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही।

किच्छा में जल्द स्थापित होगी पं. गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा

किच्छा(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के प्रवेश द्वार किच्छा में भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की स्मृति में विकसित किए जा रहे पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क में शीघ्र ही उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसी क्रम में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ पार्क का स्थलीय निरीक्षण कर प्रतिमा स्थापना के लिए उपयुक्त स्थल को चिन्हित किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण निर्माण विभाग के सहायक अभियंता चारु चंद्र जोशी एवं अपर सहायक अभियंता इंदर सिंह चीलवाल उपस्थित रहे। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने अधिकारियों को पार्क के कार्यों को तय मानकों के अनुसार आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि उत्तराखंड के प्रवेश द्वार किच्छा में भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की स्मृति में एक अद्भुत एवं डेस्टिनेशन पार्क विकसित करने की परिकल्पना उनकी रही है। उनके विधायक कार्यकाल में प्रशासन से पंत पार्क के लिए लगभग पहले 2 एकड़ भूमि एवं बाद में 14 एकड़ कुल 16 एकड़ भूमि नामित कराई गई थी तथा बाउंड्री कार्य का शिलान्यास भी कराया गया था तथा अमुक्त धन से बाउंड्रीवाल का कुछ कार्य भी किया गया। उन्होंने कहा कि विभिन्न कारणों से पार्क का कार्य कुछ समय तक लंबित रहा, लेकिन इसे पूर्ण कराने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में संस्कृति विभाग से पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क के विकास के लिए 15 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत कराई गई है और आगे भी विभिन्न मदों से धन स्वीकृत कराकर पार्क निर्माण की प्रक्रिया को लगातार जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की विराट व्यक्तित्व और उनके योगदान को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से इस पार्क को एक विशेष पहचान दिलाई जाएगी। इस दौरान पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के साथ मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोरया, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनमोहन सक्सेना, धर्मराज जायसवाल, विजय अरोड़ा, मूलचंद राठौर, कुलदीप बग्गा, पूरन भट, सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता, चंदन जायसवाल, महेंद्र पाल उपस्थित थे।

झगड़ा करते हुए चार गिरफ्तार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प थाना पुलिस ने किसी बात को लेकर आपस में झगड़ा कर क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग कर रहे चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे ने बताया कि उनके नेतृत्व मे थाना ट्रांजिट कैम्प पुलिस टीम द्वारा शान्ति व्यवस्था प्रभावित करने पर 04 व्यक्तियो को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस पार्टी चौकिंग करते श्मशान भूमि रोड पर पहुंची तो देखा सोनु सिंह पुत्र मनोज कुमार निवासी गोल मडैय्या शमशान भूमि रोड, मुनेश कुमार पुत्र दौलत राम निवासी वार्ड 8 सुपर मार्केट, अर्जुन कुमार पुत्र गोपाल कुमार निवासी आजाद नगर वार्ड 7 और सोनू कश्यप पुत्र लालताप्रसाद निवासी आजादनगर वार्ड 7 आपस में उत्तेजित होकर गाली गलौज करते हुए मारपीट कर रहे थे। उक्त चारों को समझाने पर भी नही माने तो पुलिस ने शान्ति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उक्त चारों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अकरम अहमद, कांस्टेबल धर्मेन्द्र व विपेंद्र सिंह शामिल थे।

कवीन्द्र शर्मा को रम्पुरा चौकी की कमान

रूद्रपुर। रम्पुरा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। उत्तराखण्ड पुलिस के तेजतर्रार और अनुभवी वरिष्ठ उप निरीक्षक कवींद्र शर्मा को रम्पुरा चौकी का इंचार्ज नियुक्त किया गया है। कवींद्र शर्मा इससे पूर्व जनपद की कई संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण चौकियों की कमान सफलतापूर्वक संभाल चुके हैं। अपने कड़े लेकिन संतुलित कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले शर्मा के नेतृत्व में अपराध नियंत्रण, अवैध नशे के कारोबार और सोशल मीडिया पर भौकाल बनाकर माहौल खराब करने वाले तत्वों पर सख्त कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। उनकी कार्यशैली की विशेषता यह रही है कि वे पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी तैयार करते हैं। शिकायतों को गंभीरता से सुनना, मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति को समझना और बिना देरी के प्रभावी कार्रवाई करना उनकी पहचान रही है। इसी कारण आम नागरिकों में उनके प्रति भरोसा और सम्मान दोनों दिखाई देता है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि सख्त और संवेदनशील पुलिसिंग के चलते क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और अनुशासन का माहौल और मजबूत होगा।

मिस्टर एंड मिस कुमाऊँ नेक्स्ट सुपरमॉडल के ऑडिशन सम्पन्न

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। दानपुर प्रोडक्शन हाउस द्वारा आयोजित मिस्टर एंड मिस कुमाऊँ नेक्स्ट सुपरमॉडल 2025 (सीजन-2) के ऑडिशन शिवान्या इवेंट एंड एंटरटेनमेंट के तत्वावधान में दिसंबर 2025 को भुजियाघाट के एक रिसॉर्ट में संपन्न हुए। इस आयोजन में कुमाऊँ मंडल के विभिन्न जिलों से आए 50 से अधिक प्रतिभागी मॉडल्स ने भाग लिया। कार्यक्रम के ब्रांडिंग पार्टनर ने आयोजन को एक आकर्षक और भव्य स्वरूप प्रदान किया।ऑडिशन की चयन प्रक्रिया फैशन एवं मनोरंजन जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी में संपन्न हुई। जूरी पैनल में रोहित सिंह दानू (एमटीवी डेट टू रिमेंबर फेम एवं मिस्टर उत्तराखंड 2018), रिशिका कोहली (ओनर रिशिका स्टाइलो) तथा आरती टमटा (मॉडर्न कुमाऊँ फेम) शामिल रहीं। जूरी द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके ग्रूमिंग, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, मंच प्रस्तुति और समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया गया। जिससे ऑडिशन का स्तर प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक रहा।ऑडिशन में मोनिका गुसाईं, ज्योति, निवेदिता, प्राची, आयुष, हरि, हर्षित और पॉल शाह सहित 50 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने सौंदर्य, आत्मविश्वास और मंचीय कौशल से जूरी व दर्शकों को प्रभावित किया। प्रतिभागियों की दमदार प्रस्तुतियों ने आयोजन को बेहद आकर्षक और यादगार बना दिया। कार्यक्रम का प्रबंधन इवेंट मैनेजर महक चावला के नेतृत्व में किया गया। उनके साथ केश्वी सुयाल, समर कफलिया, वंशिका वारियाल, दक्ष जोशी और लोकेश रावत आदि स्वयंसेवकों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। महक चावला ने बताया कि इन सफल ऑडिशनों के साथ मिस्टर एंड मिस कुमाऊँ नेक्स्ट सुपरमॉडल 2025 सीजन-2 की भव्य शुरुआत हो चुकी है। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 21 दिसंबर 2025 को आईटीसी फॉर्च्यून वॉकवे मॉल, हल्द्वानी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें उत्तराखंड की जानी-मानी हस्तियां बतौर जूरी शिरकत करेंगी।

पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए महापौर को सौंपा ज्ञापन

रुद्रपुर। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 32 भूरारानी की पुखराज कॉलोनी में स्थित पार्क के सौंदर्यीकरण एवं विकास की मांग को लेकर कॉलोनीवासियों ने महापौर से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। कॉलोनीवासियों ने पार्क की वर्तमान दुर्दशा से अवगत कराते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही की मांग की। जिस पर महापौर ने आवश्यक कार्यवाही के लिए नगर आयुक्त को निर्देशित किया। ज्ञापन में कालोनीवासियों ने बताया कि पुखराज कॉलोनी की गली नंबर एक में आरएएन पब्लिक स्कूल के समीप स्थित यह पार्क बरसात के दिनों में जलभराव की गंभीर समस्या से जूझता है। बारिश के समय पार्क में पानी जमा हो जाने के कारण बच्चों, बुजुर्गों एवं स्थानीय निवासियों के लिए इसका उपयोग करना कठिन हो जाता है। जलभराव के चलते पार्क अस्वच्छ रहता है, जिससे मच्छरों के पनपने और बीमारियों के फैलने का भी खतरा बना रहता है।कॉलोनीवासियों ने पार्क में समुचित मिट्टी भरान कराकर जलभराव की समस्या से स्थायी समाधान कराने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए पार्क का समग्र सौंदर्यीकरण कराए जाने का अनुरोध किया, जिसमें हरियाली बढ़ाने, पाथवे, बैठने की व्यवस्था, बच्चों के लिए झूले एवं प्रकाश व्यवस्था जैसे कार्य शामिल हों।महापौर ने कॉलोनीवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और पार्क के सौंदर्यीकरण तथा मिट्टी भरान से संबंधित आवश्यक कार्यवाही के लिए नगर आयुक्त को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शहर के पार्क नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनके विकास में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में वीरेंद्र सिंह चौहान वरिष्ठ पत्रकार भूपेश छिमवाल जी ,दीपक सिंह, विक्की, संजय सिंह, गोपाल, प्रशांत, संजय, लक्ष्मीकांत , अनिल गुप्ता, गुरप्रीत सिंह, विशाल रस्तोगी, रजत सक्सैना, वरिष्ठ पत्रकार भूपेश छिमवाल जी, प्रीत पाल सिंह, दीपक सिंह, प्रभु दयाल सतेंद्र शुक्ला प्रदीप ठाकुर कुमार राजेंदर सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

जिंदगी जिंदाबाद संस्था ने डा. चंदौला को किया सम्मानित

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। सामाजिक संस्था जिंदगी जिंदाबाद की ओर से सिटी क्लब में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में उल्लेखनीय सहयोग प्रदान करने पर चंदोला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. केसी चंदौला को संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. चंदौला ने समारोह में पहुंचकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान ग्रहण करते हुए डॉ. केसी चंदौला ने जिंदगी जिंदाबाद संस्था द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की खुले मन से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संस्था पिछले पांच वर्षों से निरंतर सामूहिक विवाह जैसे पुनीत आयोजनों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्गों की सेवा कर रही है, जो वास्तव में सराहनीय और प्रेरणादायक है। ऐसे आयोजनों से न केवल सामाजिक एकता मजबूत होती है, बल्कि अन्य संस्थाओं को भी समाजसेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलती है। डॉ. चंदौला ने कहा कि जिंदगी जिंदाबाद संस्था आज समाजसेवा के क्षेत्र में एक मिसाल बन चुकी है और भविष्य में भी संस्था के हर सामाजिक कार्य में उनका सहयोग निरंतर बना रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि संस्था इसी तरह सेवा और समर्पण की भावना के साथ समाजहित में कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर जिंदगी जिंदाबाद समिति के संस्थापक करमजीत सिंह चानना सहित लवली लांबा, हरजिंदर सिंह लाडी, हरप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह बल्लू, इकबाल सिंह, गुरविंदर सिंह, बलजीत सिंह, गुरजंट सिंह, गुरविंदर सिंह सोनू, परविंदर सिंह, गणेश जोशी, हरजीत सिंह, दलजीत सिंह खालसा, हिमांशु सुखीजा, बलजीत कौर, प्रियंका सचदेवा, भारत भूषण चुघ, प्रदीप बंसल, सुखबीर सिंह बेदी, सुखबीर सिंह भाटिया, जागीर सिंह, योगेन्द्र सिंह, विकास शर्मा, विजय भूषण गर्ग, सुरेंद्र ग्रोवर, अभिषेक अग्रवाल, सुखमीत सिंह, जितेंद्र पाल सिंह, डॉ. गौरव अग्रवाल, हरनाम चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं संस्था से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर आयुक्त एवं एसओ के नेतृत्व में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। जो कि बस अड्डे से लेकर सदर बाजार, मीरा बाजार, बर्तन बाजार, पटेल चौक, भौरों चौक तक चलाया गया। जिसमें तीन ट्रॉली सामान जब्त किया गया। इस दौरान पांच व्यापारियों पर रुपया 11 हजार की चालानी कार्यवाही की गई। अभियान में पुलिस एवं नगर निगम की टीम शामिल थी।

प्रशिक्षण के साथ एएनएम को बांटी टीकाकरण सामग्री

रुद्रपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत प्रतिरक्षण कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. के.के. अग्रवाल, की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें विकास खण्ड रुद्रपुर की समस्त ए.एन.एम0. को वीएचएसएनडी बैग, वैक्सीन ट्रे, मैग्निफाइंग ग्लास, डायरी 2026, पेन इम्यूनाइजेशन पॉकेट चार्टस, हब कटर, ग्लूकोमीटर, 4 टाइप वैक्सीन कैरियर स्टिकर, वीएचएसएनडी बैनर मीजल्स रुबेला बैनर, टीकाकरण से सम्बन्धित सामाग्री को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा वितरित की गई। नियमित टीकाकरण, यू-विन, आर.सी.एच., एच.एम.आई.एस., डाटा, प्रबन्धन, माईक्रो प्लानिगं, ए.ई.एफ.आई, वी.पी.डी. सर्विलांस का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सर्विलांस मेडिकल आफिसर डा. मीनाक्षी सुमन ने जिला स्तर पर टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव की पहचान, वर्गीकरण, रिर्पोटिंग एवं निगरानी प्रणाली संबंधी जरूरी सुझाव दिये। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. राजेश आर्या द्वारा बताया गया कि सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है जिसका मुख्य उद्देश्य जनपद में निवासरत सभी समुदाओं को टीकाकरण की सेवायें देकर उन्हें बीमारियों से बचाया जाना है। साथ ही सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिये कि टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की रिर्पोटिंग तुरंत जिला मुख्यालय में की जाए जिससे ए.ई.एफ.आई. सर्विलांस को और अधिक प्रभावी किया जा सके। इसी के साथ प्रदीप महर, सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के द्वारा यू.-विन पोर्टल पर एन्ट्री करने से सम्बन्धित प्रशिक्षण प्रदान की गई। साथ ही चाँद मियां जिला डाटा मैनेजर द्वारा आर.सी.एच. एवं एच.आई.एम.एस. की आनलाईन एंट्री की करने एवं डाटा प्रबन्धन की प्रशिक्षण प्रदान की गई।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

दिल्ली की आबोहवा

सर्दी का मौसम शुरू होने के साथ ही दिल्ली की आबोहवा अब बुरी तरह बिगड़ गई है। इस समय राजधानी घने कोहरे की चादर में लिपटी नजर आ रही है। जहरीली हवाओं से लोग बेहाल हैं। उनमें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं पैदा हो रही हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। धूल-धुएं से बनी धुंध की दोहरी मार से दृश्यता कमजोर हो गई है। नतीजा यह है कि सड़कों पर वाहन रेंगते हुए दिखाई पड़ रहे हैं।राजधानी में हालात गंभीर हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सभी बाहरी शारीरिक खेल गतिविधियां बंद करने का फिर से निर्देश देना पड़ा है। जबकि पिछले महीने ही शीर्ष न्यायालय ने ऐसे आयोजनों पर सवाल उठाया था और इसे रोकने के लिए कहा था। फिर भी खेल गतिविधियां जारी रखी गईं, तो इससे साबित होता है कि लापरवाही किस हद तक बरती जा रही है।यह अदालत के निर्देशों की भी अवहेलना है। जाहिर है कि दिल्ली और इसके आसपास के राज्यों की सरकारें प्रदूषण को गंभीरता से नहीं ले रही हैं। हर दूसरे-चौथे दिन फौरी घोषणाएं जरूर की जा रही हैं, लेकिन दीर्घकालिक समाधान नहीं निकाला जा रहा है। फिलहाल प्रदूषण को काबू में करने के लिए जो कदम उठाए गए हैं, इसके सार्थक परिणाम नहीं निकल रहे हैं। नतीजा यह कि दिल्ली वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार बिगड़ता जा रहा है।दरअसल, इस समस्या के गंभीर लक्षणों की सही मायने में पहचान नहीं की जा रही है। हालात कब तक सुधरेंगे, यह भी कोई नहीं बता रहा। राजधानी में लगातार प्रदूषण बने रहने की असल वजह क्या है, शायद यह कोई जानना नहीं चाहता और अगर कारणों की पहचान है, तो राज्य सरकारें गंभीरता से कदम उठाने से संकोच क्यों कर रही हैं? दिल्ली में अभी अन्य राज्यों से आने वाले ट्रकों पर रोक है। निर्माण कार्य बंद करा दिए गए हैं। ग्रेप-चार के तहत पाबंदियां भी लागू हैं। बावजूद इसके प्रदूषण के स्तर को कम नहीं किया जा पा रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? प्रदूषण के कारणों की पहचान कर उन्हें दूर करने के लिए ठोस उपाय लागू करने के साथ-साथ लापरवाही के लिए अब संबंधित विभागों की भी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

उत्तराखंड सहित पूरे देश में तेजी से बढ़ रहे हैं वैवाहिक अपराध

क्राइम लिटरेचर फेस्टिवल ऑफ इंडिया, देहरादून में डिटेक्टिव देव गोस्वामी के खुलासों से दर्शक और विशेषज्ञ चौंके

देहरादून।क्राइम लिटरेचर फेस्टिवल ऑफ इंडिया के तृतीय संस्करण में आयोजित एक विशेष सत्र में उत्तराखंड सहित पूरे भारत में लगातार बढ़ते वैवाहिक अपराधों पर गंभीर, तथ्यात्मक और वास्तविक चर्चा की गई। यह सत्र "एक निजी जासूस की नजर से वैवाहिक अपराध" विषय पर आधारित था, जिसमें तियानझू इन्वेस्टिगेटिव सर्विसेज के संस्थापक एवं निजी जासूस डिटेक्टिव देव गोस्वामी को बतौर पैनलिस्ट आमंत्रित किया गया।यह कार्यक्रम राजपुर रोड स्थित एक होटल में संपन्न हुआ, जिसकी संचालनकर्ता (मॉडरेटर) सुप्रसिद्ध लेखिका रूबी गुप्ता रहीं। सत्र के दौरान डिटेक्टिव देव गोस्वामी ने अपने वर्षों के अनुभवों के आधार पर बताया कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड के शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में वैवाहिक धोखाधड़ी और वैवाहिक अपराधों के मामलों में तेज वृद्धि हुई है, और यही स्थिति अब लगभग पूरे देश में देखने को मिल रही है।डिटेक्टिव देव गोस्वामी के अनुसार, आज वैवाहिक अपराध केवल पारिवारिक विवाद तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि इनमें फर्जी पहचान, पहले से हुई शादी को छुपाना, झूठी नौकरी व आय का दावा, आर्थिक ठगी, भावनात्मक शोषण, डिजिटल माध्यमों से धोखाधड़ी और योजनाबद्ध विवाह जैसे संगठित अपराध शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे शांत और सुरक्षित माने जाने वाले राज्य भी अब इन मामलों से अछूते नहीं रहे हैं, जो समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।इस सत्र में लोकप्रिय टीवी क्राइम शो "सावधान इंडिया" के निर्देशक अनिरबन भट्टाचार्य भी उपस्थित रहे। डिटेक्टिव देव गोस्वामी द्वारा सुनाई गई वास्तविक वैवाहिक अपराधों की कहानियाँ सुनकर वे भी हैरान और स्तब्ध नजर आए।उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "ऐसे मामलों को मैंने अपने धारावाहिक 'सावधान इंडिया' में भी नहीं दिखाया। मुझे अंदाजा नहीं था कि भारत में इस स्तर के संगठित और खतरनाक वैवाहिक अपराध वास्तव में हो रहे हैं।"उनकी यह प्रतिक्रिया इस बात को दर्शाती है कि जमीनी हकीकत, टीवी और फिक्शन से कहीं अधिक भयावह होती जा रही है।अपने संबोधन में डिटेक्टिव देव गोस्वामी ने यह भी स्पष्ट किया कि विवाह-पूर्व जांच (प्री-मैट्रिमोनियल जांच) पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें सार्वजनिक अभिलेख, व्यवहारिक विश्लेषण और मैदानी सत्यापन के माध्यम से तथ्यों की जांच की जाती है। इसका उद्देश्य विवाह से पहले सच्चाई सामने लाकर भविष्य में होने वाले बड़े अपराधों, कानूनी विवादों और मानसिक आघात से लोगों को सुरक्षित रखना है।कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों, कानून विशेषज्ञों, सामाजिक शोधकर्ताओं और दर्शकों ने इस सत्र को आंखें खोलने वाला, साहसिक और सामाजिक रूप से अत्यंत आवश्यक बताया। वास्तविक घटनाओं और जमीनी सच्चाई पर आधारित इस चर्चा को श्रोताओं ने खूब सराहा।क्राइम लिटरेचर फेस्टिवल ऑफ इंडिया का यह सत्र न केवल अपराध साहित्य को नई दिशा देता है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि सतर्कता, सत्यापन और जागरूक निर्णय आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुके हैं।

मैदानी इलाकों में छाया घना कोहरा, अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड में आज मौसम का मिजाज बदल गया है। प्रदेश के मैदानी जनपद उधमसिंहनगर में घना कोहरा छाने से जनजीव प्रभावित हो गया। मौसम विभाग ने तीन पहाड़ी जिलों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। जबकि राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने के आसार हैं।मौसम विभाग की ओर से जारी किया पूर्वानुमान के अनुसार 16 दिसंबर को उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिले में बारिश होने की संभावना है। जबकि राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। प्रदेश में बारिश और बर्फबारी से तापमान में गिरावट दर्ज होगी। बता दें पहाड़ों में खराब मौसम का असर मैदानों में भी देखने को मिल रहा है। मैदानी इलाकों में आज सुबह से ही कोहरा छाया हुआ है। घने कोहरे के चलते यातायात प्रभावित हो रहा है। खराब मौसम के चलते नेशनल हाईवे सहित मुख्य सड़कों पर वाहन धीमी गति से चल रहे हैं।

कमिश्नर ने की स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी योजना की समीक्षा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सोमवार को कुमाऊँ आयुक्त दीपक रावत द्वारा कुमाऊँ मण्डल में संचालित स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी योजना की समीक्षा की गई। बैठक में परियोजना निदेशक, कुमाऊँ मण्डल डा0 एस के उपाध्याय द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से SARRA योजना का उद्देश्य, क्रियान्वयन ढांचा एवं जनपदवार प्रगति विवरण प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि सारा योजना का मुख्य उद्देश्य उत्तराखण्ड राज्य के समस्त जल स्रोतों एवं नदियों के प्रवाह में वृद्धि, पुनर्जीवन एवं निरंतरता स्थापित करना है। योजना के अंतर्गत संवेदनशील जल स्रोतों का चिन्हीकरण, वर्षा आधारित नदियों एवं धाराओं का उपचार तथा स्थानीय समुदाय की सहभागिता से सतत उपयोग प्रोत्साहित किया जाना है। प्रस्तुतीकरण के दौरान एक जनपद-एक नदी अवधारणा के अंतर्गत कुमाऊँ मण्डल के जनपदों में चयनित नदियों/धाराओं की स्थिति भी साझा की गई। अल्मोड़ा में जटा गंगा, बागेश्वर में गरुड़ गंगा, चम्पावत में गौड़ी नदी, नैनीताल में शिप्रा नदी, पिथौरागढ़ में पूर्वी रामगंगा तथा ऊधमसिंह नगर में फीका के चिन्हीकरण के सम्बंध में बताया गया। कुछ जनपदों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माणाधीन होने तथा कुछ योजनाओं को राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति से स्वीकृति उपरांत बजट अवमुक्त होने की बात कही गयी। बैठक में कुमाऊँ आयुक्त द्वारा निर्देश दिए गए कि केन्द्रीय भूजल बोर्ड एवं केन्द्रीय जल आयोग के माध्यम से रामगढ़, मुलेबर, शीतला, पंगोट, हल्द्वानी तथा ऊधमसिंह नगर के विभिन्न ब्लॉकों में भूजल की वर्तमान स्थिति का सर्वेक्षण कराया जाए, ताकि भावी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध हो सके। बैठक के अंत में एसएलईसी से अनुमोदन प्राप्त योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक बजट जारी करने, योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन तथा SARRA योजना के अंतर्गत जल स्रोतों एवं नदियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के कार्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने पर बल दिया गया।

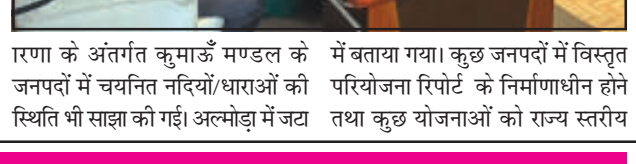

नितिन नबीन की ताजपोशी

भारतीय जनता पार्टी के सबसे युवा नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन (45 वर्ष) के नाम की घोषणा गत दिवस रविवार 13 दिसंबर को ही की गई थी। नबीन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। नबीन को उस समय अध्यक्ष बनाया गया है, जब 2029 के आम चुनाव के अलावा करीब सवा साल में कई महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होना है, जिसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्य शामिल हैं। नितिन नबीन के लिए उनकी कार्यकारी अध्यक्ष पद पर ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं रही। वैसे नबीन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित बीजेपी के कई नेताओं के अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भी काफी करीबी हैं। उम्मीद है कि अगले वर्ष बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव होगा और नबीन को औपचारिक रूप से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा। जैसे कि जेपी नड्डा के साथ हुआ था, उनके अध्यक्ष बनाए जाने से पूर्व उन्हें भी पहले कार्यकारी अध्यक्ष ही बनाया गया था। बहरहाल, भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है, जिससे पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ता में भी उत्साह का माहौल है। बीजेपी कार्यकर्ता कह रहे हैं कि यह पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान है। नबीन की नियुक्ति भाजपा की रणनीतिक सोच को दर्शाती है, खासकर बिहार और पूर्वी भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने के संदर्भ में। नितिन नबीन, जो वर्तमान में बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्री हैं, कायस्थ समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और उनके पिता भी भाजपा के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे। उनकी यह नियुक्ति न केवल पार्टी के भीतर नई ऊर्जा का संचार करेगी, बल्कि विपक्षी दलों को भी सोचने पर मजबूर कर देगी। नितिन नबीन का जन्म बिहार के एक प्रमुख कायस्थ परिवार में हुआ। कायस्थ कुल में जन्मे नबीन ने बचपन से ही राजनीतिक माहौल में पलने-बढ़ने का अनुभव किया। उनके पिता, जिन्हें बिहार भाजपा में बड़े नेता के रूप में जाना जाता था, ने लंबे समय तक पार्टी को मजबूत आधार प्रदान किया। पिता की सक्रियता के कारण नबीन को कम उम्र से ही संगठनात्मक कार्यों का हिस्सा बनने का मौका मिला। बिहार की राजनीति, जो जातिगत समीकरणों पर टिकी हुई है, में कायस्थ समुदाय का महत्व हमेशा से रहा है। नबीन ने इस विरासत को संभालते हुए अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद सीधे राजनीति में कूद पड़े, जहां उनकी मेहनत और दूरदर्शिता ने जल्द ही सबका ध्यान खींचा। बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्री के रूप में नितिन नबीन का कार्यकाल उल्लेखनीय रहा है। एनडीए गठबंधन के हिस्से के तौर पर वे विकास कार्यों में सक्रिय रहे। ग्रामीण विकास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उनकी योजनाओं ने सराहना बटोरी। लेकिन उनकी असली ताकत संगठनात्मक क्षमता में है। भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर स्पष्ट संदेश दिया है कि वे बिहार मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर दोहराना चाहते हैं। नबीन की नियुक्ति से पूर्वी भारत में पार्टी की चुनावी रणनीति को नया आयाम मिलेगा। बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी के बीच यह कदम विपक्ष, खासकर आरजेडी और कांग्रेस को चुनौती देता है। नितिन नबीन की राजनीतिक यात्रा संघर्षों से भरी रही। 1990 के दशक में जब बिहार लालू प्रसाद यादव के राज में डूबा हुआ था, तब नबीन ने भाजपा के आधार को मजबूत करने में योगदान दिया। उनके पिता की छत्रछाया में उन्होंने जिला स्तर से काम शुरू किया। पटना और अन्य जिलों में वे युवा कार्यकर्ताओं को संगठित करने में माहिर साबित हुए। 2000 के बाद जब नीतीश कुमार सत्ता में आए, तो भाजपा-जेडीयू गठबंधन ने बिहार को नई दिशा दी। नबीन इस गठबंधन के मजबूत स्तंभ बने रहे। मंत्री बनने के बाद उन्होंने कई अहम फैसलों में भी अपनी भूमिका निभाई, जैसे कि प्रवासी मजदूरों की वापसी के दौरान राहत कार्य। कोरोना महामारी में उनकी सक्रियता ने उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाया। बात नबीन के बिहार कनेक्शन की की जाए तो कायस्थ समुदाय का बिहार राजनीति में विशेष स्थान है। नबीन का इस कुल से जुड़ाव उन्हें एक ब्रिज की भूमिका देता है। वे न केवल हिंदू एकता का प्रतीक हैं, बल्कि सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भी मुखर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनकी नियुक्ति को संगठन का नया अध्याय बताया। नबीन अब दिल्ली से पार्टी के राष्ट्रीय कार्यों का संचालन करेंगे, लेकिन बिहार पर उनकी नजर बनी रहेगी। आगामी लोकसभा चुनावों में पूर्वांचल सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका अहम होगी। नबीन ने नियुक्ति स्वीकार करते हुए कहा कि वे अमित शाह के मार्गदर्शन में काम करेंगे और पार्टी को और मजबूत बनाएंगे। नितिन नबीन की व्यक्तिगत जिंदगी भी प्रेरणादायक है। वे एक सादगीपूर्ण जीवन जीते हैं। परिवार के साथ रहते हुए वे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं। कायस्थ परंपराओं का पालन करते हुए उन्होंने शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में कई पहल की। बिहार के स्कूलों में कायस्थ इतिहास को शामिल करने की उनकी मांग चर्चा में रही। राजनीति में आने से पहले वे एक छोटे व्यवसाय से जुड़े थे, जो उनकी जमीनी समझ को दर्शाता है। पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने परिवार की विरासत संभाली और भाजपा को नया रूप दिया। उनकी पत्नी भी सामाजिक कार्यों में सहयोग करती हैं, जो नबीन की मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि को दिखाता है। भाजपा की यह नियुक्ति समयबद्ध है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। नीतीश कुमार के साथ गठबंधन को मजबूत रखते हुए भाजपा नबीन के जरिए कायस्थ, भूमिहार और अन्य ऊंची जातियों को एकजुट करना चाहती है। नबीन की संगठनात्मक क्षमता राम विलास पासवान की तरह प्रभावी साबित हो सकती है। विपक्षी नेता तेजस्वी यादव ने इसे भाजपा का बिहार फोकस बताया, लेकिन नबीन ने पलटवार करते हुए कहा कि विकास ही असली मुद्दा है। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। युवा मोर्चा से लेकर महिला मोर्चा तक सभी इकाइयां सक्रिय हो गई हैं। राष्ट्रीय स्तर पर नितिन नबीन को कई चुनौतियां मिलेंगी। विपक्ष का मुस्लिम-यादव समीकरण तोड़ना होगा। वे अपनी मंत्रीगिरी के अनुभव से नीतिगत मुद्दों पर फोकस करेंगे। किसान कल्याण, महिला सशक्तिकरण और डिजिटल इंडिया जैसे क्षेत्रों में उनकी योजनाएं सामने आ सकती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अभियान "संकल्प पत्र" को लागू करने में नबीन की भूमिका बढ़ेगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में क्रॉस-बॉर्डर रणनीति पर काम तेज होगा। नबीन ने कहा कि वे संघ परिवार के मूल्यों को प्राथमिकता देंगे। उनकी नियुक्ति से भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी मजबूत लग रहा है। कुल मिलाकर नितिन नबीन का भविष्य उज्ज्वल दिखता है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में वे अमित शाह के बाद दूसरे नंबर के नेता बन सकते हैं। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार के बाद उनकी दावेदारी मजबूत हो गई है। कायस्थ समुदाय उन्हें अपना नया चेहरा मान रहा है। पार्टी आंतरिक कलह से जूझ रही थी, नबीन उसे एकजुट करने में सफल होंगे। उनकी कहानी संघर्ष से सत्ता तक की यात्रा है। बिहार के गांवों से निकलकर दिल्ली पहुंचना आसान नहीं। नबीन ने साबित कर दिया कि मेहनत और संगठन से सब संभव है। भाजपा कार्यकर्ता उनकी अगुवाई में नई ऊंचाइयों को छूने को तैयार हैं। उम्मीद यह भी की जा रही है कि अगले वर्ष की शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा और नबीन को औपचारिक रूप से पार्टी का अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा।

संजय सक्सेना,वरिष्ठ पत्रकार

विधायक बंशीधर भगत से मिले व्यापारी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ग्रामीण इकाई मुखानी कुसुमखेड़ा के व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष विपिन

गुप्ता के नेतृत्व में विधायक बंशीधर भगत से मिला। इस दौरान नगर निगम में हाल ही में जोड़े गए नए वार्डों के अंतर्गत आने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर लगाए जा रहे कर को लेकर व्यापारियों की समस्याओं से विधायक को अवगत कराया गया।व्यापारियों ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा स्पष्ट रूप से यह आश्वासन दिया गया था कि पूरे क्षेत्र में 10 वर्षों तक किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं लिया जाएगा, किंतु वर्तमान में मात्र 7 वर्षों के भीतर ही व्यापारियों को टैक्स नोटिस जारी किए जा रहे हैं तथा कुछ छोटे व्यापारियों से वसूली भी की जा चुकी है। यह स्थिति व्यापारियों के साथ अन्यायपूर्ण है और इससे व्यापारी वर्ग में रोष व्याप्त है। व्यापारियों ने यह भी प्रश्न उठाया कि जब भवन कर में 10 वर्षों की छूट दी जा सकती है, तो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को इस राहत से वंचित क्यों रखा जा रहा है। विधायक बंशीधर भगत ने व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे इस विषय पर मुख्यमंत्री से शीघ्र वार्ता कर टैक्स को 10 वर्षों के बाद लागू कराने का प्रयास करेंगे। साथ ही विधायक ने आज ही देहरादून जाकर मुख्यमंत्री से मिलकर व्यापारियों को तत्काल राहत देने एवं कर वसूली पर रोक लगाने की बात रखने का भरोसा दिलाया।उनसे मिलने वालों में दीपक गुरुरानी, भास्कर त्रिपाठी, हरीश मठपाल, दीपक कपिल, अज्जू कपिल, कन्नू कपिल, प्रदीप भट्ट,एडवोकेट ओली, दिनेश जोशी, सतीश वर्मा, रक्षित वर्मा आदि लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ उत्तराखंड के फुटेला संयोजक नियुक्त

गदरपुर। वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप फुटेला को राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ उत्तराखंड का संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को प्रदेश में पत्रकार हितों की आवाज को और अधिक मजबूती मिलने के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पाबित्र मोहन सामंतराय ने उनकी नियुक्ति का पत्र जारी करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए शीघ्र ही नई कार्यकारिणी का गठन करें। प्रदीप फुटेला पिछले 37 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं पूरे कुमाऊँ अंचल में एक सशक्त, निर्भीक और प्रतिबद्ध पत्रकार के रूप में उनकी पहचान रही है। राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ उत्तराखंड के संयोजक के रूप में नियुक्ति के बाद प्रदीप फुटेला ने कहा कि प्रदेश में पत्रकारों की समस्याएँ गंभीर हैं और लंबे समय से उपेक्षित रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकारों की सुरक्षा, मानदेय, मान्यता, स्वास्थ्य बीमा और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर महासंघ

सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही संगठन का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री तथा सूचना महानिदेशक से मुलाकात कर पत्रकारों की समस्याओं और मांगों को औपचारिक रूप से उनके समक्ष रखेगा। फुटेला ने कहा कि प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता हैं, लेकिन आज भी चौथे स्तंभ की संवैधानिक मान्यता नहीं है जिससे यह वर्ग सबसे अधिक असुरक्षित और उपेक्षित है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पत्रकारों को केवल खबर देने वाला नहीं, बल्कि समाज का सजग प्रहरी मानते हुए उनके अधिकारों और सम्मान की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही उत्तराखंड इकाई का गठन किया जाएगा।उनकी नियुक्ति पर विभिन्न पत्रकार संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ पत्रकारों ने शुभकामनाएँ देते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ उत्तराखंड पत्रकारों की आवाज को मजबूती से उठाएगा और जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने में सफल होगा।

बंगाली समुदाय ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

किच्छा(उद संवाददाता)। स्थाई, जाति और आय से संबंधित प्रमाण पत्रों में आ रही समस्याओं को लेकर किच्छा तहसील क्षेत्र में निवास कर रहे बंगाली समुदाय के लोगों ने आज उप जिलाधिकारी गौरव पांडे को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। यह ज्ञापन क्षेत्र के बंगाली समाज के नेता सुब्रतो विश्वास के नेतृत्व में प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि बंगाली समाज के कई परिवार वर्षों से अपने जाति प्रमाण पत्र में स्थाई प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए तहसील कार्यालय में लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की उदासीनता के कारण उन्हें न्यायसंगत रूप से प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहे हैं। सुब्रतो विश्वास ने बताया कि 1947 में विस्थापित हुए बंगाली समाज के लोगों को भारत सरकार द्वारा बसाया गया था, और उनके पास आवश्यक दस्तावेज होने के बावजूद समय पर प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किए जा रहे हैं। इस कारण वे विभिन्न कार्यों में असुविधाओं का सामना कर रहे हैं। ज्ञापन में यह भी कहा

गया कि कई अन्य राज्यों में बंगाली समुदाय को अनुसूचित जाति, जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्यता प्राप्त हो चुकी है, लेकिन उत्तराखंड में उन्हें यह सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इसे सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता की भावना के विपरीत बताया गया। ज्ञापन में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए बंगाली समाज के लोगों के लिए प्रमाण पत्र शीघ्र निर्गत करने की मांग की गई। उप जिलाधिकारी गौरव पांडे ने कहा कि नियमों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना आवश्यक साक्ष्य और दस्तावेजों के कोई भी प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा सकेगा। सभी लोगों से अपील की गई कि वे अपने प्रमाण पत्र और साक्ष्य एकत्रित कर ऑनलाइन आवेदन करें और मांगे जाने पर उन्हें प्रस्तुत करें। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि केवल छात्रवृत्ति के लिए ही प्रमाण पत्र ऑफलाइन बनाए जा रहे हैं, अन्य सभी कार्यों के लिए प्रमाण पत्र का आवेदन ऑनलाइन ही करना होगा। ज्ञापन सौंपने के अवसर पर सुब्रतो विश्वास के अलावा रानी सरकार, अजीत मंडल, सुनीता मंडल, शंकर अरुण, बधाई ईशान, शेखर अनु राम, भगत अर्जुन, बढ़ाई शिवराम, मेरा लक्ष्मी मीणा सहित दर्जनों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

नवनिर्वाचित राजकीय शिक्षक संघ कार्यकारिणी का स्वागत

गदरपुर । राजकीय शिक्षक संघ उधम सिंह नगर के चुनाव में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सोमवार को पीएम श्री उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गदरपुर में प्रधानाचार्य परशुराम दिवाकर की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ । नव नियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा,जिला मंत्री विवेक पवार और ब्लॉक मंत्री मनोज राय का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया । लगातार चौथी बार

जिलाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए दीपक शर्मा ने कहा कि शिक्षकों की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएगा । नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शिक्षक/शिक्षिकाओं का आभार जताया और कहा कि शिक्षकों के हित के लिए राजकीय शिक्षक संघ हमेशा अग्रणी रहेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुरेंद्र जैन और डॉक्टर जयंत मिश्रा ने किया,इस अवसर पर अश्वनी कुमार शुक्ला,डी एन भट्ट, शांतनु त्यागी,प्रितपाल सिंह,अनिल सिंह,गोविंदी गुप्ता,चंद्रेश पाल आदि मौजूद रहे।

सितारगंज में जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी का भव्य स्वागत

सितारगंज। भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और बढ़ते जनाधार का स्पष्ट संदेश उस समय देखने को मिला जब नगरपालिका परिषद सितारगंज के चेयरमैन एवं समस्त सभासदों द्वारा चेयरमैन सुखदेव सिंह के आवास पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन सुखदेव सिंह के बड़े भाई द्वारा रवि रस्तोगी को माताराणी द्वारा अंकित पट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया तथा भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा जी की प्रतिमा भेंट की गई। इसके उपरांत सभी सभासदों द्वारा माल्यार्पण किया गया एवं मिष्ठान वितरण कर उत्साहपूर्ण वातावरण बनाया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी ने कहा कि यह सम्मान व्यक्तिगत नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, मजबूत नेतृत्व और ओबीसी समाज के भाजपा के प्रति

अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा के विरोध में राजनीति करने वालों को अब यह समझ लेना चाहिए कि जनता ने विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व को ही चुना है और विपक्ष पूरी तरह दिशाहीन हो चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड में भाजपा आने वाले समय में और भी मजबूती के साथ ऐतिहासिक परिणाम दर्ज करेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सभासद शिवपाल चौहान, पंकज गहतोड़ी, नितिन चौहान, सतीश उपाध्याय, सचिन गंगवार, चंदन श्रीवास्तव, साने आलम, इस्माइल उपस्थित रहे। साथ ही ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष श्रीपाल वर्मा, राजेंद्र मौर्या, सतेंद्र दिवाकर, नरेश ठाकुर, गुरलाल सिंह, बलजीत सिंह, राजेश जायसवाल, गौरव जायसवाल, अनवार सुहेल सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि सितारगंज में भाजपा पूरी तरह संगठित, सक्रिय और किसी भी राजनीतिक चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है, जबकि विपक्ष जनता के बीच अपना भरोसा पूरी तरह खो चुका है।

ट्रक की टक्कर से स्कूल जा रहा साईकिल सवार छात्र गंभीर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आज प्रातः गंगापुर मार्ग पर साईकिल पर सवार होकर स्कूल जा रहे छात्र को खनन सामग्री लेकर आ रहे ट्रक के चालक ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसकी साईकिल ट्रक के टायरों के नीचे आकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और घायल छात्र को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। मामले की सूचना मिलने पर पार्षद के साथ ही छात्र के परिजन भी आ गये। जानकारी के अनुसार आज प्रातः गंगापुर मार्ग स्थित सेंट मैरी स्कूल का छात्र करीब 12 वर्षीय वार्ड एक निवासी युवराज पुत्र धर्मेंद्र साईकिल पर सवार होकर रोज की तरह घर से स्कूल को रवाना हुआ। जब वह तीन पानी डाम के पास पहुंचा तो खनन सामग्री से भरे ट्रक संख्या यूके 06 सीबी 3103 के अज्ञात चालक ने उसे टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में युवराज साईकिल सहित ट्रक के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसकी साईकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के होते ही वहां पर लोगों की भीड़ लग गई। ट्रक चालक वाहन छोड़ मौके से फरार हो गया। लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को देने के साथ ही घायल छात्र को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। सूचना मिलने पर पार्षद पवन राणा व पुलिस कर्मी मौके पर आ गये। वहीं सूचना मिलते ही छात्र युवराज के परिजन भी आ पहुंचे। पुलिस ने ट्रक अपने कब्जे में ले लिया है। पार्षद पवन राणा ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की कि स्कूल के खुलने व बंद होने के समय बच्चों के आने जाने के दौरान इस मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। बताया जाता है कि छात्र युवराज के पैरों व अन्य अंगों पर गंभीर चोटें आई हैं।

पेज एक का शेष...

सैन्य धाम से पूरे देश में.... करना हर नागरिक का कर्तव्य है। शहीद की कोई जाति या धर्म नहीं होता, वह केवल देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों और पूर्व सैनिकों के हितों को लेकर पूरी तरह संकल्पबद्ध है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। बलिदानी सैनिकों के परिवार को दी जाने वाली सम्मान राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये की गई है, वहीं वीरता पुरस्कार से अलंकृत सैनिकों को मिलने वाली सम्मान राशि में भी वृद्धि की गई है। मंत्री ने कहा कि देश में सशक्त नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज सीमा पार से एक गोली चलने पर उसका जवाब गोले से दिया जाता है। उन्होंने कहा कि देश के हर पांचवें सैनिक का संबंध उत्तराखंड से है, जो प्रदेश के युवाओं में अटूट देशप्रेम को दर्शाता है। वहीं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने विजय दिवस के अवसर पर शौर्य स्थल में मातृभूमि की रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने उपस्थित सेवारत एवं पूर्व सैनिकों से भेंट कर उनसे संवाद किया तथा राष्ट्र की रक्षा में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की ऐतिहासिक, रणनीतिक एवं निर्णायक सैन्य विजय को स्मरण करते हुए कहा कि यह युद्ध भारत के सैन्य इतिहास में स्वर्णिम अध्याय है। भारतीय सशस्त्र बलों ने अद्वितीय शौर्य, साहस और कुशल रणनीति का परिचय देते हुए न केवल दुश्मन के 93 हजार सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया, बल्कि पाकिस्तान के विभाजन के साथ एक नए राष्ट्र, बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया।राज्यपाल ने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों की उत्कृष्ट रणनीति, कठोर प्रशिक्षण, सटीक योजना, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि 54 वर्ष पूर्व इस युद्ध में शहीद हुए एवं घायल हुए जवानों के परिवारों की देखभाल करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विजय दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सदैव उनके परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज भारत आधुनिकीकरण, तकनीकी नवाचार, भविष्य के युद्ध कौशल और सैन्य क्षमताओं के क्षेत्र में एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। यह परिवर्तन हमारे सशस्त्र बलों की शक्ति और राष्ट्र की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करेगा। राज्यपाल ने कहा कि विजय दिवस केवल अतीत की विजय को स्मरण करने का दिन नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन और संकल्प का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य की चुनौतियों तथा आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा आवश्यकताओं के प्रति स्वयं को निरंतर सुदृढ़ और सजग बनाए रखना होगा। इस अवसर पर जीओसी सब एरिया, उत्तराखण्ड मेजर जनरल एम. पी. एस. गिल, संयुक्त मुख्य हाइड्रोग्राफर, रियर एडमिरल पीयूष पौसी सहित सेवारत और भूतपूर्व सैन्य अधिकारी, जेसीओ और जवान मौजूद रहे।

टांस्पोटर्स से नशे के ...रोड पर पहुंचे। ट्रांसपोर्ट में ब्रांच हेड पवन कुमार से रिपुल चौहान नाम के व्यक्ति के माल के बारे में पूछताछ की तो इनके द्वारा बताया गया कि ट्रांसपोर्ट की बुकिंग ब्रांच जालंधर से वत्सल मेडिकल स्टोर के नाम से दो शिपमेन्ट सेफ एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट काशीपुर में दिनांक 23/12/2025 को रिसीव हुए हैं। मौके पर पवन कुमार द्वारा 18 पेटियां दिखाई गयी। पेटियों को खोला तो उसमें से 43950 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। वहीं अभियुक्त रिपुल चौहान अभी फरार चल रहा है।

उजाड़े जाने के ..सांसद अनिल बलूनी को अपने चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों पर अमल करना चाहिए। इसके साथ ही चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि आवश्यक हुआ तो डीएफओ कार्यालय का घेराव कर उनके आने-जाने को भी रोका जाएगा। पीड़ित परिवारों और संगठनों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होंगे।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के डीसीएस रावत अध्यक्ष, सौरभ अधिकारी बने महासचिव

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों पर चुनाव का परिणाम घोषित हो गया है. सोमवार रात मतगणना के बाद डीसीएस रावत हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए हैं। अध्यक्ष पद पर डीसीएस रावत ने 668 वोट पाकर एकतरफा जीत हासिल की है। अध्यक्ष पद पर दूसरे स्थान पर रहे डीके जोशी ने 249 मत पाए। महासचिव पद पर कांटे के मुकाबले में सौरभ अधिकारी विजयी रहे। महिला उपाध्यक्ष पद पर मीना बिष्ट ने अपनी प्रतिद्वंद्वी चेतना लटवाल पर भारी मतों से जीत दर्ज की। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुशील वशिष्ठ ने प्रेम कौशल को पराजित किया। कोषाध्यक्ष पद पर शुभ्र रस्तोगी ने गुरुवाणी सिंह को हराया।बार एसोसिएशन के चुनाव में कुल 1689 मतदाताओं में से 1112 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। सुबह 10 बजे से मतदान शुरू हुआ जो शाम चार बजे तक चला। इसमें वन वोट, वन बार के नियम को कड़ाई से लागू किए जाने के लिए सभी अधिवक्ताओं से मतदान से पूर्व शपथपत्र भरवाया गया। मतदान के दौरान लंच समय में हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी, न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल, न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित, न्यायमूर्ति आलोक मेहरा भी मतदान स्थल पहुंचे। ये सभी न्यायाधीश पूर्व में हाईकोर्ट बार के सदस्य रहे हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी कुर्बान अली, सलाहकार रविन्द्र बिष्ट, पर्यवेक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता एमसी कांडपाल, डॉ. महेंद्र पाल सहित चुनाव अधिकारियों की टीम शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था में जुटे रहे। मतदान के लिए उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चमोली, रुद्रप्रयाग सहित सभी जिलों से अधिवक्ता पहुंचे थे। वहीं अध्यक्ष बनने के बाद डीसीएस रावत ने कहा चुनाव के दौरान जो वादे किए थे, उन्हें अवश्य पूरा करेंगे। हमेशा अधिवक्ताओं के दुख-सुख के साथी रहेंगे. हाल ही में तैयार हुए अधिवक्ता चैंबर जरूरमंद अधिवक्ताओं को पारदर्शिता के

साथ आवंटित किए जाएंगे। ट्रिब्यूनल की कोर्ट हाईकोर्ट परिसर में ही स्थापित कराने, पुस्तकालय में पीडीएफ सिस्टम लागू करने, जूनियर अधिवक्ताओं के लिये फंड की व्यवस्था करने की दिशा में काम किया जाएगा।कनिष्ठ कार्यकारिणी के चार सामान्य सदस्य पद के लिए गौरव पंवार, नीलम गोदियाल, रचित तिवारी, विक्रम धपोला, देवेंद्र सिंह (छोटू), पंकज सेमवाल, सिद्धार्थ सिंह नेगी, स्वलेहा हुसैन (सना) समेत कुल आठ प्रत्याशियों के बीच चुनावी मुकाबला रहा। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के 5 पदों के लिए छह अधिवक्ताओं ने नामांकन किया था। सौरभ पांडे के नाम वापस लेने के बाद भुवनेश जोशी, मनोज कुमार शर्मा, निरंजन कुमार भट्ट, शिवांगी गंगवार एवं विश्व प्रकाश बहुगुणा निर्विरोध चुने गए। कनिष्ठ उपाध्यक्ष के सामान्य पद के लिए गौरव कांडपाल, उप सचिव (प्रशासन) के पद के लिए विश्वस्त कांडपाल, उपसचिव (प्रेस) के पद पर प्रसन्ना कर्नाटक, पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर अविदित नौलियाल, वरिष्ठ कार्यकारिणी (महिला) के पद पर श्रुति जोशी, कनिष्ठ कार्यकारिणी (महिला) के पद पर उन्नति पंत निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने में मुख्य चुनाव अधिकारी कुर्बान अली के अलावा सलाहकार रवीन्द्र सिंह बिष्ट, कमलेश कुमार तिवारी, राजेश जोशी, भास्कर जोशी, गोपाल के वर्मा, राजकुमार, प्रदीप लोहनी, एसएस चौधरी, डी एस बनकोटी, कौशल साह जगाती, मनीष बिष्ट, सूर्यकान्त मैठाणी, तपन सिंह, विकास उनियाल, मीनाक्षी शर्मा, राघव सिंघल, शीतल सेलवाल, वन्दना मेहरा, रजनी सुप्याल लटवाल, संगीता आदि मौजूद थे। अध्यक्ष पद के लिए डीसीएस रावत को 668, डीके जोशी को 249, मनीषा भंडारी को 124 व अंजली भार्गव को 53 वोट मिले। महासचिव पद - सौरभ अधिकारी को 436 , अक्षय लटवाल को 419 व भूपेन्दर कोरंगा को 246 वोट मिले। उपाध्यक्ष(सीनियर) - सुशील वशिष्ठ को 570 व प्रेम कौशल को 515 वोट मिले। उपाध्यक्ष महिला- मीना बिष्ट को 723 व चेतना लटवाल को 356 वोट मिले। कोषाध्यक्ष- सुभ्र रस्तोगी को 346 व गुरबानी सिंह को 241 वोट और जूनियर कार्यकारिणी सदस्य विक्रम सिंह धपोला 263, देवेन्द्र सिंह छोटू 256, पंकज सेमवाल को 230, श्वेला हुसैन को 227, गौरव पवार को 223, रचित तिवारी को 210, सिद्धार्थ सिंह नेगी को 209, नीलम गोदियाल को 152 वोट मिले।

विजय दिवस पर सैनिकों के शौर्य और बलिदान को नमन

पुलिस लाइन रुद्रपुर में आयोजित समारोह में शहीदों को श्रद्धांजलि, युद्ध विजेता पूर्व सैनिक सम्मानित

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। 1971 के भारतखपाकिस्तान युद्ध में भारतीय सेना की ऐतिहासिक विजय की स्मृति में विजय दिवस के अवसर पर जनपद ऊधम सिंह नगर पुलिस द्वारा पुलिस लाइन रुद्रपुर परिसर में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया और उनके अद्वितीय बलिदान को स्मरण किया गया। समारोह के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर मणिकांत मिश्रा ने 1971 के युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों की स्मृति में पुष्प चक्र अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर वीर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल द्वारा शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया, जिससे वातावरण अत्यंत भावुक और सम्मानपूर्ण बन गया। विजय दिवस समारोह में 1971 के युद्ध में भाग लेकर द्वारा पूर्व सैनिकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके साहस, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति निष्ठा को याद करते हुए उनके अमूल्य योगदान की सराहना की गई। निबंध लेखन, चित्रकला एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। मुख्य समारोह के दौरान इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों पुलिस अधीक्षक श्री मणिकांत मिश्रा ने कहा कि विजय दिवस भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य, त्याग और बलिदान की याद दिलाने वाला दिवस है। यह दिन प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति

देश को विजय दिलाने वाले पूर्व सैनिकों को विशेष सम्मान दिया गया। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा युवाओं में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विजय दिवस के अवसर पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों और युवाओं में राष्ट्रप्रेम एवं सेवा भाव को प्रोत्साहन मिला। इस अवसर पर अपने संबोधन में वरिष्ठ अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देता है। पूरे आयोजन के दौरान पुलिस लाइन परिसर देशभक्ति, सम्मान और गर्व की भावना से ओतप्रोत नजर आया।

गांधी पार्क के पास से श्रमिक अड्डा हटाने की मांग

रूद्रपुर। वार्ड संख्या 28, मुख्य बाजार के पार्षद चिराग कालरा ने गांधी पार्क के समीप स्थित श्रमिक अड्डे को जनहित में हटाए जाने की मांग को लेकर महापौर विकास शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा। पार्षद ने ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्रवासियों को हो रही असुविधाओं से महापौर को अवगत कराया। ज्ञापन में चिराग कालरा ने बताया कि वार्ड संख्या 28 के अंतर्गत गांधी पार्क के पास अग्रसेन चौक पर लंबे समय से श्रमिक अड्डा संचालित हो रहा है, जिसके कारण विशेषकर सुबह के समय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले नागरिकों के साथ-साथ बाजार आने-जाने वाले लोगों को श्रमिकों द्वारा सड़क घेरकर खड़े हो जाने से जाम की स्थिति का

सामना करना पड़ता है, जिससे आवागमन बाधित होता है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रमिक अड्डे पर बीड़ी, सिगरेट, गुटखा आदि का खुलेआम सेवन किया जाता है, जिससे सुबह घूमने आने वाले नागरिकों को असुविधा होती है। विशेष रूप से महिलाओं को इस मार्ग से निकलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिससे क्षेत्र में असुरक्षा और असहजता का माहौल बनता है। पार्षद चिराग कालरा ने महापौर से मांग की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए उक्त श्रमिक अड्डे को नगर निगम एवं जल संस्थान के बीच स्थित खाली भूमि पर स्थानांतरित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने नगर निगम की ओर से श्रमिकों का सत्यापन कर उन्हें पहचान पत्र जारी किए जाने का भी आग्रह किया, ताकि व्यवस्था और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित की जा सकें। महापौर विकास शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा नगर निगम की प्राथमिकता है और इस संबंध में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।